जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, बुधवार 19 मार्च, 2025

विचार बिन्दु

ऐश्वर्य उपाधि में नहीं बल्कि इस चेतना में है कि हम उसके योग्य हैं। –अरस्तु

सम्मान के लिए आवेदन मांग कर योग्यता का निर्णय

इन दिनों पुरस्कार दिए जाने के समारोहों के समाचार बहुत आने लगे हैं। साहित्य और कला-संस्कृति के पुरस्कारों की भरमार है। इसका सकारात्मक पहलू देखें तो रचनात्मक और अच्छा काम करने वालों को पुरस्कार और सम्मान देकर समाज खुद गौरवान्वित होता है। सरकारी स्वायततशाली अकादमियां साहित्यकारों और कलाकारों को पुरस्कार और सम्मान देती आई हैं। पहले कुछ इनी-गिनी निजी संस्थाएं ही पुरस्कार देती थी। अब प्रायोजन का दौर है। ऐसी संस्थाओं की भरमार है जो प्रायोजक लाती है और पुरस्कार समारोह आयोजित करती है। लेकिन जिस संख्या में अब पुरस्कार दिए जाने लगे हैं वह अभूतपूर्व है। अब सार्वजनिक और निजी पार्टनरशिप का भी ज़माना है। ऐसा ही एक आयोजन पर्यटन, कला एवं संस्कृति विभाग, जवाहर कला केन्द्र, एवं राजस्थानी सिनेमा विकास संघ के संयुक्त तत्वावधान में अगले हफ्ते जयपुर के 'जवाहर कला केन्द्र' में हो रहा है। 'राजस्थानी सिनेमा महोत्सव' के इस आयोजन को सिनेमा एवं लोक संगीत का महासंगम भी कहा गया है। इस आयोजन में राजस्थानी सिनेमा और लोक संगीत के लीजेंड्स की स्मृति में विभिन्न श्रेणियों में अवार्ड दिये जाने की घोषणा की गई है। इसके लिए पात्र व्यक्तियों से आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। आवेदन की अन्तिम तिथि 21 मार्च रखी गई है। आवेदकों से आवेदन में उनकी उपलब्धियों के साथ उनका संपूर्ण बायोडाटा मांगा गया है। अधिकृत सूचना में कहा गया है कि अवार्ड के योग्य व्यक्ति का चयन महोत्सव की जूरी द्वारा किया जायेगा। सम्मान की कुल 27 श्रेणियां घोषित की गई हैं तथा प्रत्येक श्रेणी का अवॉर्ड किसी एक विधा के पुरोधा के नाम पर रखा गया है। ऐसा करने के पीछे आमतौर पर यह अवधारणा होती है कि किसी कलाकार को सम्मान देते हुए उस विधा के किसी पुरोधा की भी स्मृति को स्थाई बनाये रखी जाय। ऐसा करके समाज अपना फर्ज ही पूरा करता है। लेकिन वर्तमान प्रचार के जमाने में ऐसे आयोजन ईवेंट के तौर पर होने लगे हैं। कुछ ईवेंट करना है तो चलो कोई प्रायोजक तैयार कर लो और आयोजन कर लो। लेकिन किसी ईवेंट में सरकारी भागीदारी हो तब यह अपेक्षा स्वाभाविक ही होती है कि जो किया जा रहा है वह सलीके से और सूझ-बूझ से हो। इस महासंगम को 'राजस्थानी सिनेमा महोत्सव' नाम दिया गया है। हालांकि इसमें लोकसंगीत को भी शामिल कर लिया गया है। इसलिए स्वाभाविक ही जिन पुरोधाओं के नाम पर सम्मान हैं वे राजस्थानी हैं। हिन्दुस्तानी सिनेमा में राजस्थान के लोगों का सिनेमा की शुरुआत से योगदान रहा है। ऐसे लोगों के नाम पर पुरस्कार देना सर्वथा उचित है। इससे इन शख्सियतों की पहचान नई पीढी में भी बनी रहेगी। लेकिन आश्चर्य है कि इसमें दो नाम ऐसे भी हैं जो राजस्थान के नहीं है। ये दोनों कलाकार हिन्दी सिनेमा में बुलंदियों पर रहे हैं और उनके नाम को इस तरह की पहचान की आवश्यकता भी नहीं है। ये दो पुरोधा हैं अभिनेता प्राण, जिनके नाम पर 'प्राण सिकन्द स्मृति बेस्ट चरित्र अभिनेता एवं खलनायक सम्मान' दिये जाने की घोषणा की गई है, तथा गायक महेंद्र कपूर जिनके नाम पर 'महेन्द्र कपूर स्मृति पार्श्व गायक सम्मान' दिया जाएगा। ये दो महान कलाकार राजस्थान के जन्मे नहीं हैं जिस प्रकार बाकी के 25 हैं। यह भी सवाल उठता है कि जब इतनी लंबी सूची बनानी ही थी तब राजस्थान के उन पुरोधा कलाकारों के बारे में स्मृति लोप कैसे हो गया जो इस सूची में शामिल लोगों से किसी तरह कमतर नहीं थे, जैसे अभिनेता सज्जन। इसमें राजश्री वाले ताराचंद बड़जात्या का नाम भी हो सकता था। इस सूची में शामिल 27 श्रेणियों के लिए स्मृति शेष नाम किन लोगों ने किस मापदंड से तय किये यह जानने के लिए आरटीआई के तहत सूचना मांगने पर भी शायद न मिले। इसके साथ एक बड़ा सवाल सम्मान देने के लिए आवेदन मांगे जाने का भी है। आवेदन मांग कर क्या कलाकारों को सम्मान के लिए याचक बनाया जा रहा है? कहा गया है कि अवार्ड के योग्य व्यक्ति का चयन महोत्सव की जूरी द्वारा किया जायेगा। अब आवेदनों में से जब एक योग्य का चयन होगा तो क्या अन्य अयोग्य होने का कलंक झेलेंगे? आवेदन प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित होते हैं सम्मान के लिए नहीं। इस सरकारी आयोजन ने सम्मान को प्रतियोगिता बना दिया। सरकारों में ऐसा ही होता है। इसीलिए कहा जाता है कि सरकार के पास सिर्फ फ़ाइल की बुद्धि होती है और वह मशीन की तरह काम करती है। लेकिन एक लोकतान्त्रिक व्यवस्था में निर्वाचित प्रतिनिधियों से कला की थोड़ी तो समझ या दृष्टि होने की अपेक्षा करना नावाज़िब भी नहीं है। यह भी बड़ा सवाल है कि सम्मान के लिए आए आवेदनों में से योग्य का चयन करने वाली जूरी में कौन है? जब 27 अलग-अलग विधाओं में सम्मान के लिए चयन किया जाना है तो प्रत्येक विधा का कम से कम एक-एक जानकार तो जूरी में होना ही चाहिए। क्या इस जूरी में इन विधाओं के जानकार 27 गैरसरकारी सदस्य हैं? जूरी के मेम्बरान खुद कितने योग्य हैं? जूरी में कितने सरकारी अधिकारी होंगे और कितने कला जगत की समझ रखने वाले, सब गोपनीय है।

कलाकारों को एक निश्चित सम्मान या पुरस्कार देने का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे उनकी गरिमा और योगदान की सराहना हो, न कि ऐसा लगे कि उन्हें सम्मान के लिए 'विनती' करनी पड़ रही है। सम्मान देने का तरीका पारदर्शी और सम्मानजनक होना चाहिए, ताकि उसे पाने वाले कलाकार को भी अच्छा महसूस हो। इस तरह के आवेदन से यह लगता कि कलाकार को खुद को प्रमाणित करने की आवश्यकता है, जो उचित नहीं है।

इस बात की गलतफहमी किसी को नहीं है कि यह समारोह ताबड़तोड़ में हो रहा है क्योंकि मार्च का महिना सरकारी वित्त वर्ष का आखरी महिना होता है और सरकारी विभाग को उस साल के लिए आवंटित बजट को साल पूरा होने तक किसी प्रकार खर्च करना होता है। ऐसे ही बजट पूरा करने के लिए अनेक कार्यक्रम जवाहर कला केंद्र में पिछले फरवरी माह में भी हुए है और जिनमें दर्शकों और श्रोताओं का अमूमन टोटा ही रहा है, जिसका कारण सब जानते हैं कि यह महीने ऐसे कार्यक्रमों के लिए मुआफ़िक़ नहीं होते क्योंकि वे विद्यार्थियों के लिए परीक्षाओं और उनकी तैयारियों के होते हैं जिसमें उनके अभिभावक भी व्यस्त रहते हैं। मगर सरकारी व्यवस्थापकों को इससे क्या। उन्हें तो रस्म अदायगी करके बजट खर्च करना है। ऐसा सरकारी प्रशासनिक व्यवस्था में ही होता है। 'जवाहर कला केंद्र' की मूल अवधारणा में उसे कलाकर्म से जुड़े लोगों द्वारा संचालित स्वायत्तशाषी संस्थान होना था, किन्तु वह एक सरकारी विभाग की तरह ही संचालित हो रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों को किताबों में दर्ज नियमों की अपने तरीके से व्याख्या करके उसके अनुरूप काम करने का हुनर होता है। हालांकि उनमें कुछ विरले अधिकारी भी निकल आते हैं, किन्तु वे विशाल सरकारी अमले में मुट्ठी भर भी नहीं होते। इसलिए राजस्थानी सिनेमा महोत्सव जिस प्रकार हो रहा है और जो लंबी सूची सम्मानों की है वह लोगों को अजूबा लग सकती है। अवार्डों की लंबी सूची इस प्रकार है:– 'पंण्डित इन्द्र स्मृति लाईफ टाईम एचीवमेन्ट सम्मान', 'बी.के आदर्श स्मृति बेस्ट फिल्म सम्मान', 'मणिभाई व्यास स्मृति बेस्ट डाईरेक्टर सम्मान', 'महिपाल स्मृति बेस्ट एक्टर सम्मान', 'जयमाला स्मृति बेस्ट एक्ट्रेस सम्मान', 'प्राण सिकन्द स्मृति बेस्ट चरित्र अभिनेता एवं खलनायक सम्मान', 'पंण्डित शिवराम स्मृति बेस्ट म्यूजिक डाईरेक्टर सम्मान','भरत व्यास स्मृति बेस्ट लीरिक्स सम्मान', 'माणकलाल जालानी स्मृति बेस्ट फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर सम्मान', 'सूरज दाधीच स्मृति बेस्ट राईटर सम्मान', रामराज नाहटा स्मृति बेस्ट मीडिया सम्मान', 'धनराज दाधीच स्मृति बेस्ट छाया निर्देशक सम्मान', 'अब्दुल सत्तार स्मृति बेस्ट मेकअप मैन सम्मान', 'आई.एम. कुन्नू स्मृति बेस्ट एडिटर सम्मान', 'सरिता देवी स्मृति उत्कृष्ट चरित्र अभिनेत्री सम्मान', 'पंण्डित गौरी शंकर स्मृति नृत्य साधना सम्मान', 'महेन्द्र कपूर स्मृति पार्श्व गायक सम्मान', 'श्रवण जैन स्मृति एलबम निर्माण सम्मान', 'मुबारक बेगम स्मृति पार्श्व गायिका सम्मान', 'बी.एम. व्यास स्मृति खलनायक सम्मान', 'ब्रजेश बेनिवाल स्मृति कॉमेडी फिल्म सम्मान', 'जे.पी कपूर स्मृति उत्कृष्ठ फिल्म सम्मान', 'देवीलाल सामर स्मृति लाइफटाइम अचीवमेंट सम्मान', 'अल्लाह जिलाई बाई स्मृति उत्कृष्ट मांड गायन सम्मान', 'गवरी देवी स्मृति उत्कृष्ट लोक गायन सम्मान', 'गणपतलाल डांगी स्मृति उत्कृष्ट संगीतज्ञ सम्मान', और 'सदीक ख़ान मांगणियार स्मृति उत्कृष्ट वादन सम्मान'।

कलाकारों को एक निश्चित सम्मान या पुरस्कार देने का तरीका ऐसा होना चाहिए जिससे उनकी गरिमा और योगदान की सराहना हो, न कि ऐसा लगे कि उन्हें सम्मान के लिए 'विनती' करनी पड़ रही है। सम्मान देने का तरीका पारदर्शी और सम्मानजनक होना चाहिए, ताकि उसे पाने वाले कलाकार को भी अच्छा महसूस हो। इस तरह के आवेदन से यह लगता कि कलाकार को खुद को प्रमाणित करने की आवश्यकता है, जो उचित नहीं है। उनके काम को स्वाभाविक रूप से पहचाना और सराहा जाना चाहिए, न कि उन्हें इसके लिए आवेदन करने की आवश्यकता हो। सम्मान के लिए नामों को चुने जाने का काम प्रशासनिक अधिकारियों या उनके चहेते निजी लोगों के हाथों में नहीं छोड़ा जाना चाहिए। चयन प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और चयनकर्ताओं के नाम सार्वजनिक रहने चाहिए ताकि वृहद समाज उनकी योग्यता का भी मूल्यांकन कर सके। पारदर्शिता ही लोकतान्त्रिक व्यवस्था होती है। किन्तु नौकरशाही को गोपनीयता भाती है। वे अपने निर्णयों पर सवाल पसंद नहीं करते। शासकीय तंत्र में जकड़ा जवाहर कला केंद्र कला के सृजन का केंद्र बनने के बजाय सैर सपाटे आमोद-प्रमोद की जगह बन कर रह गया है जहां सरकारी या मनोरंजन के ईवेंटज्यादा होते हैं। हालांकि अब उसके मुकाबले भव्य और महंगी व्यवस्थाओं वाला राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी) आ गया और कुलीन वर्ग जवाहर कला केंद्र को मध्यम वर्ग के लिए छोड़ कर वहां जाने लगा है। जवाहर कला केंद्र कलाकारों का स्वायत्तशाषी संस्थान नहीं बन आने की किसी भी सरकार को रुचि नहीं रही। सरकारी तंत्र की व्यवस्थाओं से कला जगत नहीं चलता। इसे लेकर गाहे-बगाहे स्थानीय कलाकारों का रोष भी सामने आता रहता है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है भारत : राज्यपाल बागड़े

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े चूरू दौरे पर रहे, जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद किया

चूरू, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े मंगलवार को चूरू दौरे पर रहे। चूरू पहुंचने पर विधायक हरलाल सहारण, जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा व पुलिस अधीक्षक जय यादव ने राज्यपाल का स्वागत किया। पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी। विधायक हरलाल सहारण ने राज्यपाल को पंच गौरव से जुड़े उत्पाद तथा जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा व एसपी जय यादव ने चंदन कलाकृति स्मृति-चिन्ह के रूप में भेंट की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े का चूरू आगमन पर स्वागत किया।

इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े ने कहा कि भारत वैश्विक ताकत बनकर उभर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है और देश सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान वीरों की धरती है। राज्यपाल बागड़े ने जिला परिषद सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों से संवाद कर समुचित दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और भावी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से सुदृढ़ करें। बच्चे बौद्धिक रूप से सक्षम होंगे, जिससे सकारात्मक बदलाव हमारे सामने आएंगे। इस दिशा में शिक्षा नीति के बेहतरीन क्रियान्वयन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण दें तथा शैक्षिक सुदृढ़ीकरण के लिए संकल्पित रहें। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान अभियान के दौरान बड़ी संख्या में पौधे लगाएं तथा घने जंगल के रूप में विकसित करें। पारिस्थितिकी व पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में अधिकाधिक छायादार पौधे लगाएं। इसी के साथ राज्यवृक्ष खेजड़ी का संरक्षण, संवर्द्धन करें। बागड़े ने कहा कि जिले में औद्योगिक विकास को गति मिले और अधिकाधिक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाएं।

इस दौरान राज्यपाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना में किसानों व आमजन को प्रेरित करें। पीएम कुसुम योजना में किसानों को प्रेरित कर खेतों में अधिकतम सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएं ताकि काश्त में काश्तकारों को संबल मिल सके। किसानों को उनकी फसल को खरीद केन्द्रों पर विक्रय करने के लिए प्रेरित करें तथा कृषि, विपणन, उद्यानिकी व बैंकों आदि की विभागीय योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक करें। राज्यपाल ने कहा कि राजीविका महिलाओं को विभिन्न ऋण योजनाओं में लाभान्वित करें। मनरेगा योजना अंतर्गत गांवों-ढ़ाणियों में सड़कों की कनेक्टिविटी सुनिश्चित करें। इसी के साथ मनरेगा में शमशान व जोहड़ विकास कार्यों पर फोकस करें। वाटरशेड कार्यों में वर्षा जल संरक्षण करते हुए भूजल स्तर बढ़ाने के लिए प्रयास करें। जिला कलेक्टर अभिषेक सुराणा ने जिले में विभागीय योजनाओं की प्रगति से अवगत करवाते हुए दिशा-निर्देशों की पालना करवाने व बेहतरीन क्रियान्विति के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक जय यादव, एडीसी प्रवीण नायक नूनावत, एडीएम अर्पिता सोनी, सुजानगढ़ एडीएम मंगलाराम पूनिया, सीईओ श्वेता कोचर, डीएफओ वीरेन्द्र सिंह कृष्णिया, एएसपी सतपाल सिंह, एएसपी कृष्णा सामरिया, एसडीएम बिजेन्द्र सिंह, डीवाईएसपी सुनील झाझड़िया सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

■ 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का बेहतरीन क्रियान्वयन करें और भावी पीढ़ी को बौद्धिक रूप से सुदृढ़ करें'

जनप्रतिनिधियों व आमजन से हुए रूबरू :-इस अवसर पर राज्यपाल बागड़े जिला मुख्यालय के सर्किट हाउस में स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आमजन से रूबरू हुए। इस मौके पर विधायक हरलाल सहारण, जिला प्रमुख वंदना आर्य, पूर्व मंत्री खेमाराम मेघवाल, जिला उपप्रमुख महेन्द्र न्यौल, चूरू प्रधान दीपचंद राहड़, सुजानगढ़ प्रधान मनभरी देवी, ओम सारस्वत, दौलत तंवर, फतेहचन्द सोती, अभिषेक चोटिया, रवि आर्य, अनुराग शर्मा, भास्कर शर्मा, नरेन्द्र सैनी, नरेन्द्र काछवाल, विक्रम कोटवाद, सुरेश सारस्वत, दीनदयाल सैनी, रवि दाधीच, नीरज जांगिड़, विमला गढ़वाल, नारायण बेनीवाल, सुनील भाउवाला, श्रीराम पीपलवा, प्रमोद भाटी सहित जनप्रतिनिधियों व आमजन ने राज्यपाल का स्वागत अभिनंदन किया।

बहुचर्चित ब्लैकमेल प्रकरण की सीबीआई से जांच करवाने की मांग

बिजयनगर, (निसं)। शहर के बहुचर्चित ब्लैकमेल प्रकरण की सीबीआई से निष्पक्ष जांच करवाने को लेकर सर्वसमाज संघर्ष समिति, बिजयनगर के तत्वावधान में मंगलवार को तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया गया।

शहर के बहुचर्चित प्रकरण में स्कूली नाबालिग छात्राओं के साथ हुए जघन्य अपराधों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कठोर कार्रवाई एवं पीड़िताओं को सुरक्षा प्रदान करने हेतु सर्वसमाज संघर्ष समिति बिजयनगर द्वारा मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़ को ज्ञापन सौंपकर सीबीआई से निष्पक्ष जांच करवाने की मांग की गई। मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में बताया कि गत दिनों में बिजयनगर शहर में हुये बहुचर्चित प्रकरण में नाबालिग स्कूली छात्राओं के साथ हुए दुष्कर्म, यौन शोषण, जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव तथा संगठित अपराधों की घटनाएं सामने आई जो अत्यंत निंदनीय एवं समाज के लिए गहरी चिंता का विषय है। ज्ञापन में बताया कि इन घटनाओं की जांच के लिए गठित एसआईटी में वही अधिकारी सम्मिलित किए गए हैं जो पहले से ही इन मामलों की जांच कर रहे थे। इससे निष्पक्ष जांच की संभावना पर संदेह उत्पन्न होता है। इसके अतिरिक्त, समुदाय विशेष के लोगों द्वारा कार्य करने वाले अपराधियों को आर्थिक मदद करने वालों की अभी तक कोई पुख्ता जांच नहीं हुई है और प्रशासन द्वारा इन मामलों में लापरवाही बरती जा रही है। स

सर्व समाज संघर्ष समिति ने तहसीलदार रामकिशोर जांगिड़ को ज्ञापन दिया।

र्व समाज संघर्ष समिति, बिजयनगर, ने चेतवानी दी कि यदि प्रशासन ने 24 घंटे के भीतर उचित कार्रवाई नहीं होने पर सर्व समाज संघर्ष समिति और स्थानीय लोगों द्वारा उग्र आंदोलन किया जायेगा। ज्ञापन के दौरान सर्व समाज संघर्ष समिति के एडवोकेट गोविंद नारायण शर्मा, बंटी पांडेया, महेंद्र शर्मा, कैलाश गुर्जर, नोरत मल लोढ़ा, धीरेंद्र शर्मा, राजेंद्र शर्मा व सर्वसमाज संघर्ष समिति के सदस्य मौजूद रहे।

ईडाणा माता ने अग्नि स्नान किया, भक्त उमड़े

उदयपुर, (का.सं)। मंगलवार को ईडाणा माता ने एक साल बाद फिर अग्नि स्नान किया है। इसकी लपटें 12 से 13 फीट तक उठी। इसके बाद अपने आप अग्नि शांत हो जाती है। इसको देखने वाले हर व्यक्ति की इच्छा पूरी होती है।

मान्यता है कि माता के प्रसन्न होने पर मंदिर में अग्नि प्रज्वलित होती है। उदयपुर शहर से 60 किलोमीटर दूर कुराबड-बंबोरा मार्ग पर मेवाड़ का प्रमुख शक्तिपीठ ईडाणा माता मंदिर है। इस मंदिर के ऊपर कोई छत नहीं है और एकदम खुले चौक में स्थित है। यह मंदिर उदयपुर मेवल की महारानी के नाम से प्रसिद्ध है। जैसे ही लोगों को माता के अग्नि स्नान करने की जानकारी मिली मंदिर में भीड़ उमड़ पड़ी। धीरे-धीरे आग बढ़ती हुई पूरे मंदिर में फैल गई,हालांकि मूर्ति को कोई नुकसान नहीं हुआ। ईडाणा माता मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाल सिंह राठौड बताते हैं कि अग्नि स्नान को लेकर कोई दिन और समय तय नहीं है। यह माता की इच्छा से होने वाला चमत्कार है। मंदिर में अग्नि अपने आप ही जलती है और शांत भी अपने आप ही होती है। इस दौरान मंदिर में रखी माता की चुनरी, नारियल जल जाता है। माता रानी का यह अग्नि स्नान काफी बड़ा होता है, जिसके चलते कई बार नजदीक के पेड़ को भी नुकसान पहुंचता है। आज तक माता की मूर्ति पर इसका कोई असर नहीं हुआ।

■ मान्यता है कि मां के दरबार में आकर लकवा ग्रसित रोगी ठीक हो जाते हैं

गोपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि इससे पहले 9 अप्रैल 2024 को माता ने अग्नि स्नान किया था। चैत्र नवरात्रि से पहले शक्ति पीठ ईडाणा माता ने अग्नि स्नान किया तो भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। आज अग्नि स्नान के फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर चले तो आसपास के गांवों से लोग सीधे मंदिर पहुंच गए और अग्नि स्नान के दर्शन किए। यहां पहुंचे भक्तों ने भी अपनों को यहीं से मोबाइल के जरिये वीडियो कॉल से अग्नि स्नान के दर्शन कराए। ईडाणा माता ट्रस्ट अध्यक्ष के अनुसार, बरगद के पेड़ के नीचे यहां माता विराजमान हैं और मान्यता है कि प्रसन्न होने पर वह खुद अग्नि स्नान करती हैं। इस दृश्य को देखने वाले हर किसी की इच्छा पूरी होती है। मेवल क्षेत्र में ईडाणा गांव सहित करीब 52 गांव आते हैं। मंदिर में आग कैसे लगती है और कैसे बुझती है यह कोई नहीं जानता। इसी वजह से श्रद्धालुओं की मंदिर पर अटूट आस्था है। वो इसको चमत्कार कहते हैं। राठौड़ के अनुसार मान्यता है कि लकवा से ग्रसित रोगी मां के दरबार में आकर ठीक हो जाते हैं। प्रतिमा के पीछे त्रिशूल लगे हैं,भक्त अपनी मन्नत पूरी करवाने के लिए यहां त्रिशूल चढाते हैं। संतान की मन्नत रखने वाले भक्त यहां झूले चढ़ाते हैं।

राष्ट्रीय दिव्य कला मेला 21 मार्च से उदयपुर में

उदयपुर, (निसं)। झीलों की नगरी उदयपुर एक ओर अनूठे आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। भारत सरकार के विकलांग व्यक्तियों के सशक्तीकरण विभाग (दिव्यांगजन) की ओर से राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त और विकास निगम का 25वां राष्ट्रीय दिव्य कला मेला 21 से 30 मार्च तक उदयपुर में आयोजित होगा।

नगर निगम के टाउन हॉल परिसर में प्रस्तावित इस 10 दिवसीय मेले में देश भर के दिव्यांग उद्यमियों/कारीगरों के उत्पादों और शिल्प कौशल को प्रदर्शित किया जाएगा। मेले का उद्घाटन 21 मार्च को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री करेंगे। दिव्य कला मेला दिव्यांगजन (पीडब्ल्यूडी) के उत्पादों और कौशल के विपणन और प्रदर्शन के लिए एक बड़ा मंच प्रस्तुत करता है। इसमें देश के 20 से राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों से 100 से अधिक दिव्यांग उद्यमी और कलाकारों द्वारा तैयार किए गए हस्तशिल्प, हथकरघा, कढ़ाई के काम और पैकेज्ड फूड सहित देश के विभिन्न हिस्सों के जीवंत उत्पाद एक साथ प्रदर्शित किए जाएंगे। यह दिव्यांगजन के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक अनूठी पहल है। इसमें गृह सज्जा और जीवन शैली, कपड़े, स्टेशनरी और पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद, पैकेज्ड खाद्य और जैविक उत्पाद, खिलौने और उपहार, व्यक्तिगत सहायक सामग्री आभूषण, क्लच बैग सहित सैकड़ों तरह की सामग्री बिक्री के लिए उपलब्ध रहेगी। आयोजन के दौरान दिव्यांगजनों की ओर से ही देश के विभिन्न प्रांतों के प्रसिद्ध व्यंजनों की स्टॉल्स भी लगाई जाएंगी। इससे शहरवासी और पर्यटक एक ही स्थान पर देश भर के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ ले सकेंगे। दिव्य कला मेले के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी आकर्षण का केंद्र रहेगी। इसमें दिव्यांगजन सहित कई पेशेवर कलाकारों की प्रस्तुतियां रोमांचित करेंगी। 30 मार्च को देश के विभिन्न हिस्सों से दिव्यांग कलाकारों द्वारा इस मेले में दिव्य कला शक्ति नामक एक विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

राशिफल

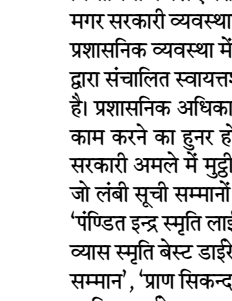

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 19 मार्च, 2025

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2081, विशाखा नक्षत्र रात्रि 8:50 तक, हर्षण योग सायं 5:38 तक, कौलव करण दिन111:23 तक, चन्द्रमा दिन 2:07 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग रात्रि 8:50 तक है। अमृत सिद्धि योग रात्रि 8:50 से सूर्योदय तक है। सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 8:50 से आरम्भ होगा। आज रंग पंचमी, श्री जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:35 तक, शुभ 11:05 से 12:35 तक, चर 3:34 से 5:04 तक, लाभ 5:04 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 6:36, सूर्यास्त 6:34

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं रहेगा।

वृष
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। आज विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे। आज परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात वर्तमान में चल रहा मानसिक तनाव दूर होगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 340 प्रभात जालोर, बुधवार 19 मार्च, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

8 व 9 अप्रैल को कांग्रेस का अधिवेशन होगा अहमदाबाद में

ये अधिवेशन सरदार पटेल के 150वें जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित हो रहा है। शायद कांग्रेस पुनः सरदार पटेल पर अपना कब्जा जताना चाहती है, क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से भाजपा ने सरदार पटेल को अपना ''आदमी'' घोषित सा कर दिया था

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। एआईसीसी का अधिवेशन 8 एवं 9 अप्रैल को गुजरात के अहमदाबाद नगर में आयोजित होगा, क्योंकि यह वर्ष सरदार वल्लभभाई पटेल का 150 वाँ जयन्ती वर्ष है, जिन्हें भाजपा अपने आदर्श के रुप में प्रस्तुत करने की कोशिश करती रहती है।

जहाँ इस अधिवेशन के विस्तृत विवरण पर अभी विचार-विमर्श चल रहा है, वहीं व्यवहारिक रुप में सत्र एक दिन का होगा तथा 9 अप्रैल को होगा। 8 अप्रैल की शाम को कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की मीटिंग होगी, जिसमें स्वीकृत हुये प्रस्ताव, अगले दिन अधिवेशन में पेश किये जायेंगे।

एक ऐसी पार्टी, जो विधानसभा चुनाव तथा तीन लोकसभा चुनाव हारती आ रही है, को एक ऐसा विस्तृत रोडमैप बनाना जरुरी है, जिस पर पार्टी आगे बढ़े तथा जहाँ पहुँचने की जरुरत है, वहाँ पहुँचे। लेकिन असली मुद्दों को उठाने

- अधिवेशन में पार्टी को कुछ गंभीर चिंतन करना होगा कि पार्टी कहाँ जा रही है, क्योंकि आम कार्यकर्ताओं में यह भावना घर करती जा रही है कि मामला हाथ से निकलता जा रहा है।
- राहुल गांधी के इर्द-गिर्द घूमने वाले नेता अब खुश हैं कि उन्होंने सोनिया गांधी के युग के नेताओं से पार्टी को मुक्त करा दिया है और अब उनका एक ही प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा राहुल की पसंद वाले लोगों को पार्टी में स्थान दिलवायें, जिससे राहुल के युवा समर्थक के हाथों में ही पार्टी का कामकाज रहे।
- राहुल इस बार यह नारा दे रहे हैं कि डीसीसी (डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी) को सशक्त किया जाए तथा डीसीसी को पार्टी के पावर स्ट्रक्चर का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाये और उनकी बात ऊपर तक सुनी जाए।
- अधिवेशन में चिंतन व निर्णय लेने की प्रक्रिया की ''खानापूर्ति'' जरूर होगी, पर, जमीन पर कुछ तब्दीलियां होने की गुंजाइश कम नज़र आ रही है।

तथा पिछले समय से होती आ रही गलतियों के मंथन एवं विश्लेषण के मामले में कोई गंभीरता नजर नहीं आ रही है।

एक दिन के अधिवेशन में यह सब कुछ हो भी नहीं सकता, तथा पार्टी नेतृत्व का मानस अधिवेशन के आयोजन की ''खानापूर्ति'' करने का प्रतीत हो रहा है।

एक वरिष्ठ नेता ने टिप्पणी की है कि अगर नेतृत्व पार्टी की वस्तुस्थिति को सच्ची जाँच-परख नहीं करता तथा सुधार की दिशा में कदम नहीं उठाता, तो 2029 के चुनावों की तैयारी के लिहाज से काफी देर हो चुकी होगी। कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं के मन में ऐसी सोच बढ़ती जा रही है कि स्थितियाँ और समय उनके हाथों से फिसलते जा रहे हैं।

राहुल के इर्द-गिर्द रहने वाले मुट्ठी भर नेता, जिनका कांग्रेस की वर्तमान राजनीति पर नियंत्रण है, सोनिया गांधी के जमाने के नेताओं से नियंत्रण एवं अधिकार छीनने में सफल रहे हैं, और अब वे पार्टी में राहुल के जी-हुजूरों की संख्या बढ़ाने में लगे हुये हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे पार्टी को अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंततोगत्वा धरती पर लौट रही हैं सुनीता

फ्लोरिडा, 18 मार्च। अंतरिक्ष में फंसे नासा के दो अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स का यान धरती के लिए रवाना हो गया है। बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार होकर पृथ्वी पर आ रहे हैं। इनके भारतीय समयानुसार बुधवार तड़के 3.27 मिनट पर इसके फ्लोरिडा के तट पर उतरने की संभावना है। नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स अपने सहयोगी बुच विल्मोर के साथ 9 महीने बाद पृथ्वी पर लौटने वाली हैं। उनकी वापसी स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान के जरिए हो रही है। इस अंतरिक्ष यान के जरिए 17 घंटे की यात्रा करने के बाद

- 9 माह तक अंतरिक्ष स्टेशन में फंसे रहने के बाद अमेरिकन अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स व उनके साथी नासा के विशेष यान से धरती के लिए रवाना हो गए हैं।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर पृथ्वी पर लौटेंगे। इसके बाद अंतरिक्ष यान में सवार सभी यात्रियों के सेहत की जांच की जाएगी और नासा इस यात्रा को लेकर अपडेट भी प्रदान करेगा। ये दोनों अंतरिक्ष यात्री जून 2024 से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर फंसे हुए थे। दोनों एक सप्ताह के लिए ही गए थे लेकिन अंतरिक्ष यान से हीलियम के रिसाव और वेग में कमी के कारण अंतरिक्ष स्टेशन पर नौ महीनों तक रुकना पड़ा था।

यूक्रेन व रूस के बीच ''सीज़फायर'' कराने की जल्दबाजी में ट्रम्प, पुतिन की हर बात मानते जा रहे हैं

यूक्रेन के कब्जे में बचे एकमात्र बंदरगाह ओडेसा को भी ट्रम्प, पुतिन को देने को राजी हुए

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। यूक्रेन युद्ध में सीज़फायर लाने और ''डील'' पूरी करने की जल्दबाजी में अमेरिका के राष्ट्रपति बहुत ज्यादा झुक गए हैं और रूस के राष्ट्रपति पुतिन की हर बात मानते हुए दिख रहे हैं। और रूस और यूक्रेन के बीच ''एसैट्स'' के विभाजन पर मान गए हैं, इसमें रूस द्वारा हड़पी गई यूक्रेन की जमीन भी शामिल है।

ट्रम्प, पुतिन को कई फायदे पहुँचा सकते हैं, ओडेसा बंदरगाह भी रूस को सौंपा जा सकता है। रूस जाते समय अपने विमान में सवार पत्रकारों से ट्रम्प ने कहा कि एसैट्स शेयरिंग पर विस्तृत चर्चा हुई।

यूक्रेन के पास सिर्फ एक विकल्प था, सीज़फायर एग्रीमैंट को स्वीकार करना। इन खबरों ने यूक्रेन से ज्यादा यूरोपियन यूनियन को हतप्रभ कर दिया है। पश्चिमी यूरोपीय देश अमेरिका की सुरक्षा गारंटी पर इतने ज्यादा निर्भर हो गए थे कि कई वर्षों तक उन्होंने अपनी सुरक्षा की अनदेखी की।

ट्रम्प ने रूस को जो राहतें देने की पेशकश की है, उसने इन देशों की चिंताएँ

- यह भी चर्चा है कि अमेरिका नाटो समझौते के तहत, यूरोप को सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने वाला एग्रीमैंट भी रद्द करने का मन बना चुका है।
- इन चर्चाओं से यूरोपियन देश स्तब्ध हैं, क्योंकि वे अमेरिका के सुरक्षा कवच के इतने आदी हो गये हैं कि उनकी सेना में वह सामर्थ्य नहीं है कि वे यूरोप के देशों की सुरक्षा की जिम्मेवारी ले सकें।
- अपने हवाई जहाज पर सवार रूस जाते समय ट्रम्प ने साथ यात्रा कर रहे पत्रकारों से बातचीत के दौरान यह भी कहा कि रूस से बहुत विस्तार से मंथन व बातचीत के बाद, इस सिद्धांत पर सहमति बन गई है कि रूस व यूक्रेन के बीच ''एसेट्स'' (सम्पत्ति व भूमि) का विभाजन होगा, जिन पर दोनों देशों ने दावा किया है कि वह उनकी सम्पत्ति है।
- इस विभाजन के सिद्धांत के तहत यूक्रेन का एकमात्र बंदरगाह व जमीन जिस पर रूस ने आक्रमण करके कब्जा कर लिया है, रूस के हिस्से में आ गये हैं।

बढ़ा दी हैं, क्योंकि अब वे रूस की फायरिंग रेंज में आ गए हैं। इनमें यूक्रेन सबसे बुरी स्थिति में है। हर स्थिति में उसकी हार निश्चित है।

कुछ लीक हुई रिपोर्ट्स से संकेत मिला है कि यूक्रेन के पास जो एकमात्र बंदरगाह बचा है, उस ''ब्लैक सी का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिन भर हंगामे के बीच लोकसभा नहीं चल पाई

विपक्ष इस माँग पर अड़ा रहा कि प्र.मंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा महाकुंभ के सफल आयोजन का उल्लेख करते हुए सदन में पेश प्रस्ताव में संशोधन होना चाहिए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। लोकसभा मंगलवार को प्रधानमंत्री के भाषण के बाद दिन भर के लिये स्थगित कर दी गई। दरअसल, विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रयागराज में अभी-अभी सम्पन्न हुये महाकुंभ पर सदन में दिये गये बयान में भगदड़ का उल्लेख किये जाने की माँग की थी।

इससे पूर्व, जब प्रधानमंत्री महाकुम्भ के बारे में बोल रहे थे, उस समय लोकसभा हंगामे का माहौल था। विपक्षी सदस्य वैल में पहुँचे गये तथा वहाँ से बयान में भगदड़ की दुखान्तिका को शामिल किये जाने की माँग करते रहे। संसद परिसर में पत्रकारों से बात करते हुये, लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ''महाकुम्भ हमारी परम्परा, इतिहास एवं संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है। हमारी शिकायत

- राहुल गांधी ने कहा कि महाकुंभ में हुई भगदड़ में जिन श्रद्धालुओं की मौत हुई, उनको श्रद्धांजलि भी देनी चाहिए, प्र.मंत्रीके प्रस्ताव में
- लोकसभाध्यक्ष ओम बिड़ला ने व्यवस्था दी कि 37 नम्बर रूल के अनुसार, प्र.मंत्री या कोई भी अन्य मंत्री सदन में वक्तव्य दे सकता है, बिना किसी प्रश्न का उत्तर दिये।

यह है कि प्रधानमंत्री ने उन लोगों को श्रद्धांजलि नहीं दी, जिन्होंने महाकुम्भ में प्राण गँवाये। जबरदस्त हो-हल्ला के बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने नियम 7 का उल्लेख किया और कहा कि यह नियम साफ कहता है कि प्रधानमंत्री या कोई मंत्री, किन्हीं भी प्रश्नों पर ध्यान दिये बिना, बयान दे सकते हैं।

हंगामे के बीच, लोकसभा अध्यक्ष ने सदन को अपरान्ह 1 बजे तक के लिये स्थगित कर दिया।

जब सदन की बैठक पुनः शुरु हुई तो विपक्षी सदस्य फिर वैल में इकट्ठे हो गये तथा जोर-जोर से नारे लगाने लगे। आसन द्वारा कहे जाने के बावजूद, वे लोग अपनी सीटों पर नहीं आये, जबकि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 'डिमान्ड्स फॉर ग्रान्ट्स फॉर रेलवे मिनिस्ट्री' पर हुई बहस का उत्तर दे रहे थे।

इसके बाद, ''ग्रान्ट्स फॉर मिनिस्ट्री ऑफ जल शक्ति पर बहस शुरु होने से पहले ही, अध्यक्ष ने लोकसभा दिन भर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आधार कार्ड और वोटर आईडी को लिंक करने की कार्यवाही जल्द शुरू होगी'

जयपुर, 18 मार्च। भारतीय निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को एक बैठक में फैसला लिया कि उसके द्वारा जारी किये गये मतदाता पहचान पत्र को आधार कार्ड के साथ जोड़ा जायेगा। दरअसल मुख्य निर्वाचन आयुक्त गणेश कुमार और अन्य निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने

- भारतीय निर्वाचन आयोग और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अफसरों और तकनीकी विशेषज्ञों के साथ हुई बैठक में लिया गया यह अहम् फैसला।

गृहमंत्रालय के सचिव, विधायिकी विभाग के सचिव और भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के अफसरों व तकनीकी विशेषज्ञों के साथ बैठक की थी, जिसके बाद आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नागपुर के दंगे के लिए कौन जिम्मेवार?

तीन थ्योरियाँ चर्चित हैं, इस सवाल के जवाब में

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। क्या नागपुर हिंसा विकी कौशल-अमिनीत फिल्म ''छावा'' द्वारा उकसायी गई थी? क्या यह महाराष्ट्र विधानसभा में समाजवादी पार्टी नेता अबू आजमी द्वारा औरंगजेब के सम्बंध में की गई टिप्पणी की प्रतिक्रिया थी? या फिर, क्या यह हिंसा एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की उकसाने वाली टिप्पणियों के कारण भड़की थी?

दंगे की जिम्मेदारी के प्रश्न को लेकर बढ़ते हुये राजनैतिक दोषारोपण के बीच, उपरोक्त तीन प्रश्न इस समय आम चर्चा में हैं।

शिवसेना (शिंदे) सांसद नरेश म्हास्के ने ओवैसी पर दोषारोपण करते हुये कहा है कि ''सारा देश जानता है कि ओवैसी जैसे लोग, स्वयं को नेता सिद्ध करने के लिये, इस प्रकार के कृत्य करते हैं। वे इस प्रकार के दंगे कराके अपनी नेतागीरी को स्थापित करने की कोशिश करते हैं। (इस पूरे मामले की) जाँच होनी चाहिये।'' दूसरी तरफ, ओवैसी ने

- क्या विक्की कौशल की फिल्म छावा से सांप्रदायिक भावनाएं उत्तेजित होने से दंगा हुआ?
- क्या सपा नेता अबु आज़मी के महाराष्ट्र की विधानसभा में औरंगज़ेब के बारे में की गई टिप्पणी से दंगा भड़का?
- या एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी के उत्तेजक भाषण से सांप्रदायिक भावनाओं को हवा मिली और दंगा विकराल हुआ।

महाराष्ट्र सरकार पर उसके खुफिया तंत्र की असफलता का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि राज्य के मंत्रियों द्वारा दिये गये उकसाऊ भाषणों ने माहौल को उत्तेजित और आवेशित किया था।

इस बीच, काँकावली के भाजपा विधायक नितेश राणे ने सपा नेता अबू आजमी पर दोषारोपण किया है। उन्होंने कहा, ''आजमी (हिंसा के) जिम्मेदार हैं। यह मुद्दा उन्होंने ही शुरु किया था। यह सरकार को बदनाम करने के लिये पूर्व-नियोजित हिंसा थी। हम उन लोगों को नहीं बख्शेंगे, जिन्होंने हमारे पुलिसकर्मियों पर हाथ उठाये हैं। (उनके खिलाफ) सख्त कार्यवाही की जायेगी।''

प्रसंगवश बता दें कि आजमी ने हाल ही में कहा था कि औरंगजेब के शासनकाल में, भारत की जीडीपी, विश्व की जीडीपी की 24 प्रतिशत थी तथा इसकी आर्थिक समृद्धि के कारण, भारत को उस समय ''सोने की चिड़िया'' कहा जाता था।'' लेकिन, इसके बाद सपा नेता ने अपना बयान वापस ले लिया था।

मंगलवार को, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि ''छावा'' फिल्म, जिसमें विकी कौशल और रश्मिका मन्दाना मुख्य भूमिकाओं में हैं, ने औरंगजेब के खिलाफ जनता में आक्रोश पैदा किया था। यह फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र शम्भाजी महाराज के जीवन की ऐतिहासिक प्रस्तुति है। विदित ही है कि औरंगजेब के शासन काल में, शिवाजी ने मुगल साम्राज्य से युद्ध किया था।

इसी बीच यह एक और कारण उभरकर आया है कि हिंसा इन अफवाहों के कारण हुई कि विश्व हिन्दू परिषद तथा बजरंग दल के एक्टिविस्टों ने मुस्लिमों का पवित्र ग्रन्थ जला दिया है। ये ऐक्टिविस्ट विरोध-प्रदर्शन करते हुये, औरंगजेब के मकबरे को तोड़े जाने की माँग कर रहे थे।

एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक मामले में एक और सब इंस्पैक्टर गिरफ्तार

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 18 मार्च। पिछली गहलोत सरकार के कार्यकाल में एसआई भर्ती परीक्षा-2021 पेपरलीक मामले में एसओजी ने एक ओर आरोपी मोनिका को गिरफ्तार किया है। एसओजी के एडीशनल डी.जी.पी. वी.के. सिंह ने बताया कि चयनित उप निरीक्षक पुलिस (प्रोबेशनर) मोनिका (उम्र 25 वर्ष) सुल्तानपुर (जिला झुंझुनूं) की निवासी है, और उसे सीकर जिले के दादिया पुलिस थाने के अफसरों के द्वारा

- एसओजी के एडीशनल डीजीपी वीके सिंह ने बताया कि आरोपी मोनिका ने पेपरलीक सरगना पौरव कालेर से ''चीटिंग'' करने के लिये 15 लाख रुपये में सौदा किया था।

गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि मोनिका ने उप निरीक्षक पुलिस भर्ती परीक्षा के पेपर दिनांक 15 सितंबर 2021 को अजमेर के परीक्षा केन्द्र पर दिये थे।

एसओजी द्वारा जारी प्रेस नोट में बताया गया मोनिका ने नकल गिरोह के सरगना पौरव कालेर से मिलकर परीक्षा पास करने के षडयंत्र में भाग लिया था। एसओजी के अनुसार पौरव कालेर ने मोनिका को उप निरीक्षक पुलिस की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

न्यूज़ीलैंड के प्र.मंत्री ने राहुल गांधी से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 18 मार्च। लोकसभा में विपक्ष के नेता तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत यात्रा पर आये न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्स से आज मुलाकात की।

कांग्रेस सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि दोनों नेताओं के बीच आज सुबह यहां मुलाकात हुई जिसे दोनों देशों के बीच संबंधों को बढ़ाने को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

- कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं ने आर्थिक व सांस्कृतिक मसलों पर चर्चा की।

पार्टी ने कहा गांधी और लक्सन की यह मुलाकात बहुत महत्वपूर्ण है। मुलाकात को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों नेताओं ने इस दौरान आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों पर चर्चा की। यह मुलाकात भारत और न्यूजीलैंड के बीच सहयोग को बढ़ाने की दिशा में एक कदम हो सकता है।

'भारत ने अमेरिका से आयातित सामान पर टैरिफ हटाने का कोई समझौता नहीं किया है'

भारत के वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने संसदीय समिति के समक्ष स्पष्ट कहा कि भारत ने ट्रम्प का दबाव स्वीकार नहीं किया है तथा अमेरिका से आयातित सामान पर ''टैरिफ'' हटाने पर कोई सहमति नहीं दी है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। भारत ने अमेरिका के दबाव में अपनी टैरिफ नीति में बदलाव नहीं किया, जबकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स हमें इसके विपरीत यकीन दिलवा रहे थे। असल में भारत ने टैरिफ कटौती पर अमेरिका के दबाव को मानने से दृढ़ता से मना कर दिया। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के दावे को झुठलाते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने संसदीय पैनल को जानकारी दी कि भारत ने अमेरिकन सामान पर टैरिफ में कटौती करने की बात नहीं मानी है। बर्थवाल का बयान ट्रम्प के इस दावे का खंडन करता है कि नई दिल्ली ने टैरिफ कटौती की बात मान ली है।

ट्रम्प का दावा कि, भारत टैरिफ कटौती के लिए मान गया है, बढ़ा-चढ़ाकर बोला गया है और बेहद अपरिपक्व है। हालांकि, कुछ विशिष्ट वस्तुओं जैसे मोटर साइकिल, बॉरबन व्हिस्की पर टैरिफ कटौती हुई है, पर भारतीय अधिकारियों ने कहा, टैरिफ कटौती का कोई बड़ा एग्रीमैंट नहीं हुआ है।

बर्थवाल ने कहा कि भारत की ट्रेड पॉलिसी उदारीकरण और रणनीतिक संरक्षणवाद के बीच के संतुलन पर आधारित हैं। हालांकि, भारत द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाने के लिए फ्री ट्रेड को भी प्रोत्साहित करता है। बर्थवाल ने

- ट्रम्प का यह दावा कि भारत ने टैरिफ में भारी कमी करने का निर्णय लिया है। यह पूर्णतया सत्य नहीं है। यह एक अतिशयोक्ति है, कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर, जैसे मोटर साइकिल व बॉरबन व्हिस्की पर टैरिफ कम किया है।
- भारत सरकार के अधिकारियों के अनुसार, भारत की टैरिफ कम करने की नीति, उदारवाद व स्थानीय इण्डस्ट्री की सुरक्षा के बीच संतुलन बैठाने के सिद्धांत पर आधारित है।
- अधिकारियों के अनुसार, ''टैरिफ रिडक्शन'' पर बातचीत जरूर होगी, पर, राष्ट्रीय हित सर्वोपरि रहेगा।

चेतावनी दी कि मनमाने तरीके से, खासकर कुछ घरेलू क्षेत्रों में टैरिफ कटौती करने से गंभीर आर्थिक दबाव पैदा हो सकता है जिससे मंदी आ सकती है। नई दिल्ली टैरिफ कटौती पर गंभीरता से विचार करेगा तथा उसी जगह टैरिफ कटौती की जाएगी, जहाँ देश के हितों को नुकसान न पहुँचे।

इसी बीच चीन इकोनॉमिक डायवर्सिफिकेशन और कूटनीतिक तरीकों व घरेलू सुधारों से अमेरिका के टैरिफ का लगातार जवाब दे रहा है। चीन ने दोहरे प्रसार की नीति अपनाई है। यह घरेलू उपभोग मजबूत कर रहा है और निर्यात में भी अपना दबदबा कायम रखे हुए है। वह साउथ ईस्ट एशिया, यूरोपियन यूनियन, लैटिन अमेरिका और अफ्रीका के साथ चीन व्यापारिक सहयोग बढ़ा रहा है तथा अमेरिकी बाज़ार पर निर्भरता कम कर रहा है। चीन की रीजनल कॉम्प्रैहैन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आर.सी.ई.पी.) वैकल्पिक क्षेत्र खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

चीन बैल्ट एण्ड रोड इनिशिऐटिव योजना का भी सहारा ले रहा है। नए देशों के साथ आर्थिक समझौते करने के लिए और सुनिश्चित कर यहाँ उसके सामान का निर्यात हो। चीन वित्तीय रूप से अपनी मुद्रा युआन के अंतर्राष्ट्रीय को प्रोत्साहित कर रहा है ताकि अमेरिकन डॉलर पर निर्भरता कम हो सकें।

यूएस टैरिफ के जवाब में चीन ने राजनैतिक रूप से संवेदनशील अमेरिकी सामान जैसे एल.एन.जी. और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विवाहिता की संदिग्ध मौत

सूरतगढ़, (निसं)। एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और विवाहिता के शव को सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। मृतका के ससुर अमर सोमानी ने बताया कि आज सुबह घर से मंदिर गए थे। वापस जब घर आए तो अंकिता की तबीयत बिगड़ गई। घबराहट ज्यादा होने पर उसे हुए वे निजी अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमानी ने बताया कि अंकिता का हार्ट सीज होने की डॉक्टरों ने उन्हें बात बताई। इसके बाद वे शव को वापस घर ले आए। हेड कॉन्स्टेबल धूप सिंह ने बतायाकिमृतका अंकिता शर्मा का पीहर और ससुराल दोनों ही सूरतगढ़ में है। पिता कुलदीप शर्मा का आरोप है कि उसकी बेटी को दहेज की मांग को लेकर तंग परेशान करते थे।

4.61 लाख की रिश्वत लेते रेंजर और वनरक्षक गिरफ्तार

उच्चाधिकारी डीएफओ, सीसीएफ के नाम से रिश्वत मांगी, जांच जारी

उदयपुर, (निसं)। एससीबी की इंटेलीजेंस यूनिट ने मंगलवार को किए गये काम के बिलों को पास करने के एवज में 4.61 लाख रूपए की रिश्वत लेते हुए वन विभाग के रेंजर और वन रक्षक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इन दोनों ने अपने उच्चाधिकारी डीएफओ मुकेश सैनी व सीसीएफ सेडूराम यादव के नाम से भी रिश्वत की राशि ली थी, जिनकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

एसीबी के डीआईजी दिलिप सिंह पुत्र भोपाल सिंह निवासी साई विहार डाकन कोटडा ने वन विभाग के क्षेत्रिय वन अधिकारी पश्चिम वन मण्डल धीरेन्द्र सिंह पुत्र रामगोपाल सिंह निवासी नादसा जागीर रायपुर भीलवाड़ा और वन रक्षक अब्दुल रउफ (रुआब) पुत्र अब्दुल रज्जाक निवासी रजा नगर सवीना के खिलाफ ब्यूरो में शिकायत दी।

शिकायत में बताया कि उसकी फर्म बायण कृपा बिल्डिंग मेटेरियल सप्लायर्स के नाम से है। इस फर्म से उसने वन विभाग उदयपुर में कालामंगरा सी व बोरमाल सी क्षेत्र में मृदा कार्य एवं लवकुश वाटिका उदयपुर क्षेत्र में गार्ड चौकी व टिकिट विंडो का कार्यादेश होने पर वह काम करवा रहा है। उसने अलग-अलग क्षेत्र में अब तक जितना काम करवा चूका है उसका वन विभाग से भौतिक सत्यापन करवाने के बाद 34 लाख 43 हजार रूपए के बिल पेश किए।

बिलों का भौतिक सत्यापन होने के बाद क्षेत्रिय वन अधिकारी धीरेन्द्रसिंह इन बिलों को पास करने की एवज में उससे 10.6 प्रतिशत रिश्वत कमीशन के रूप में डीएफओ मुकेश सैनी व सीसीएफ सेडूराम यादव के लिए तथा 12.4 प्रतिशत स्वयं धीरेन्द्रसिंह व अधिनस्थ स्टाफ के लिये कमीशन के रूप में रिश्वत के लिए मांग कर परेशान कर रहे हैं।

- **1 लाख 1 हजार रूपये असली नोट एवं 3.60 नकली नोट लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया**
- **34 लाख 43 हजार रूपए के बिलों के भुगतान की एवज में दोनों ने रिश्वत की राशि मांगी थी**

पूर्व में डीएफओ व सीसीएफ के नाम से 60 हजार रूपए रिश्वत ले ली। ब्यूरो ने इस शिकायत 12 मर्च व 18 मार्च को सत्यापन करवाया तो आरोपी रेंजर धीरेन्द्र सिंह द्वारा डीएफओ मुकेश सैनी और सीसीएफ सेडूराम यादव को 10.6 प्रतिशत कमीशन के रूप में तथा 7 प्रतिशत खुद धीरेन्द्रसिंह रेंजर ने मांगे। रिश्वत की 4.61 लाख रूपए राशि के लिए उसे परेशान करने लगे।

इस पर मंगलवार को ब्यूरो की पुलिस निरीक्षक डॉ. सोनू शेखावत, एसआई गिरीराज शर्मा, एएसआई मुनीर मोहम्मद, सहायक प्रशासनिक अधिकारी दलपत सिंह, कांस्टेबल अजय कुमार, सुरेश, मांगीलाल की टीम ने ट्रेप का आयोजन किया। मंगलवार को रेंजर धीरेन्द्रसिंह ने 4.61 लाख रूपए की रिश्वत अपने अधिनस्थ वनरक्षक अब्दुल रउफ (रूआब) को दिलवाए। जिससे रिश्वत की 4.61 लाख रूपए की राशि (1 लाख 1 हजार रूपये असली नोट एवं 3.60 नकली नोट) लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। मामले में डीएफओ मुकेश सैनी और सीसीएफ सेडूराम यादव की भूमिका की जांच की जा रही है।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। गांव लुढाना निवासी पवनप्रीत सिंह ने कोतवाली थाना में एक व्यक्ति के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। पवनप्रीत सिंह का कहना है कि उसने सोशल मीडिया पर स्वास्तिक इमीग्रेशन नामक एजेंसी का विज्ञापन देखा था, जिसके बाद उसने उक्त एजेंसी से संपर्क किया। उसने पुलिस को बताया कि कई देशों में भेजने और काम दिलवाने के सपने दिखाते हुए आरोपी ने 11 लाख रुपए से ज्यादा की रकम ऐंठ ली। शिकायतकर्ता के अनुसार, जब उसने प्रीतमसिंह नामक व्यक्ति से संपर्क किया तो उसे विदेशों जॉर्जिया, साईप्रस, आस्ट्रेलिया, यूरोप, आयरलैंड, न्यूजीलैंड आदि देशों में काम दिलाने का झूठा वादा किया गया। इसके बाद उसे और उसकी पत्नी को पासपोर्ट देने के लिए दबाव डाला गया और खर्चे के नाम पर 11 लाख 25 हजार रुपए की मांग की गई। प्रीतम सिंह ने शिकायतकर्ता से विभिन्न चरणों में पैसे मांगे और अंत में झूठे वीजा और टिकट भेजकर उन्हें विश्वास में लिया। जब पीड़ित ने वीजा की वैधता पर संदेह जताया, तो प्रीतम सिंह ने उसे कई बार टालमटोल किया और अंततः ठगी का शिकार बना दिया।

घर से लापता बुजुर्ग महिला का कंकालनुमा शव पहाड़ी पर मिला

बेटे ने शव की शिनाख्त की, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजन को सौंपा

अजमेर, (कासं)। क्लॉक टावर थाना क्षेत्र की शांति नगर मलूसर रोड स्थित पहाड़ी पर मंगलवार सुबह एक बुजुर्ग महिला कीं कंकालनुमा लाश मिलने से क्षेत्र सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश शर्मा, थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर एफएसएल और एमओबी टीम को भी बुलाकर साक्ष्य उठाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। शवनुमा कंकाल की शिनाख्त पहाड़गंज निवासी 85 वर्षीय कमला बाई के रूप में हुई है। पुलिस हत्या या हादसे को लेकर जांच में जुटी है।

पूर्व पार्षद चंद्रशेखर बालोटिया ने बताया कि मंगलवार सुबह कुछ बच्चे बकरियां चराने के लिए पहाड़ी पर गए थे, तभी उन्हें तेज बदबू आने पर उस ओर गए तो उन्हें एक कंकाल पड़ा मिला, जिसके सिर और हाथ-पैर अलग थे। बच्चों ने इसकी सूचना स्थानीय लोगों को दी। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई।

- **एफएसएल और एमओबी टीम ने साक्ष्य उठाए, हत्या या हादसा, जांच में जुटी पुलिस**

सीओ ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रथमदृष्टया कंकाल किसी महिला का प्रतीत हो रहा है और उसे एक माह से अधिक समय बीत चुका है। संभावना जताई जा रही है कि जानवरों ने शव को क्षत-विक्षत कर दिया होगा। पुलिस ने सभी थानों को सूचना देकर महिला की पहचान के प्रयास किए।

सीओ ओमप्रकाश ने कहा कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह मामला हत्या का है या कोई दुर्घटना हुई थी। पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा, जिससे मौत के कारणों का पता लगाया जा सके। पहाड़ी पर मिली कंकालनुमा शव की शिनाख्त दोपहर को रामगंज थाना क्षेत्र पहाड़गंज निवासी 85 वर्षीय कमला बाई के रूप में हुई। मृतक के बेटे घनश्याम ने बताया कि उनकी मां गत दिनों घर से लापता हो गई थी, जिसकी रामगंज थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, तभी से परिजन जगह-जगह तलाश कर रहे थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

"हिमालयन गेफ्रान" पक्षी की करंट लगने से मौत

जैसलमेर, (नि.सं.)। मंगलवार सुबह जिले के देगराय ओरण क्षेत्र के समीप छोड़ीया सरहद में हिमालयन गेफ्रान की हाईटेंशन लाइनों से टकराकर कर दर्दनाक मौत हो गई।

हिमालयन गेफ्रान को घायल अवस्था में पशुपालकों ने देखा तुरंत पर्यावरण प्रेमी सुमेरसिंह भाटी को सूचना दी। भाटी मौके पर पहुंचे उससे पहले गीद्ध खत्म हो गया था। वर्तमान में प्रवासी पक्षियों का वापस वतन की ओर जाने की शुरुआत हो चुकी है, लेकिन हिमालयन गेफ्रान जाने से पहले अपनी जान गंवा रहे हैं।

DIRECTOR WORKS (EO)
Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner (Raj.)
क्रमांक : F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2024-25/1213 - 1223 दिनांक :- 11/03/2025
निविदा सूचना संख्या 17 वर्ष 2024-2025
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत सगंठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
राज.संवाद/सी/24/13322 अधिशाषी अभियंता (सेवानि.)

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक/निर्माण/2024-25/4814 दिनांक 12.03.2025
ई- निविदा-सूचना सं0 116/2024-25
नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 30.85 लाख
UBN Number :- DLB2425WSOB20250
आयुक्त
राज.संवाद/सी/24/13384 नगर निगम, बीकानेर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)
Email-raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567- 294504
क्रमांकः- न.पा.रा./2024-25/5046 दिनांकः- 17.03.2025
Corregendum Notice
इस पालिका के निविदा क्रमांक 4117 दिनांक 24.02.2025 के द्वारा जारी निविदा जिसके - UBN Code- (DLB2425GSRC19763), (DLB2425SSRC19723), (DLB2425SSRC19726), (DLB2425SSRC19730), (DLB2425SSRC19735), (DLB2425SSRC19744), (DLB2425SSRC19748), (DLB2425SSRC19756), (DLB2425SSRC19758), (DLB2425SSRC19759), (DLB2425SSRC19760), (DLB2425SSRC19761), (DLB2425SSRC19767)
NIB Code - DLB2425A6262
जो दिनांक 17.03.2025 दोपहर 03:00 बजे को जमा ली जाकर दिनांक 17.03.2025 दोपहर 04:00 को खोली जानी थी। जो प्रशासनिक कारणों से संशोधन की जाकर दिनांक 07.04.2025 दोपहर 03:00 बजे को ली जाकर दिनांक 07.04.2025 दोपहर 04:00 को खोली जावेगी। शेष शर्ते व नियम यथावत रहेगे।
अधिशाषी अधिकारी
राज.संवाद/सी/24/13348 नगरपालिका राजलदेसर

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.
(A Government of Rajasthan Undertaking)
Udyog Bhawan, Tilak Marg,C-Scheme, Jaipur-302005
Phone: 0141-2227079, 0141-2227267, CIN: U91110RJ1961SGC001118
E-tender BID Invitation Notice 32-35/2024-25
Supply of Barbed Wire, Polythene Bags, Steel Furniture and Tent & Tarpaulin
RSIC is inviting online competitive BIDS from MSME SSI Units who are registered from Industries Department, Government of Rajasthan for supply of Barbed Wire, Polythene Bags, Steel Furniture and Tent & Tarpaulin to the Government of Rajasthan Departments, PSUs, etc. rate contract for the period of two year. The Tender/Bid shall only be submitted through online tendering system of eproc.rajasthan.gov.in. Last date of submission of online bids 7.4.2025 till 1 PM. For further details visit our website: industries.rajasthan.gov.in/rajsico or sppp.rajasthan.gov.in or contact: Marketing section on 7230044432/9214009956. UBN: RSI2425GLRC00048; RSI2425GLRC00049; RSI2425GLRC00050;RSI2425GLRC00051
Raj.Samwad/C/24/13395 Managing Director

RUHS COLLEGE OF MEDICAL SCIENCES
OFFICE OF THE PRINCIPAL, Sector – 11, Kumbha Marg, Pratap Nagar, Jaipur - 302033 Ph. : 0141-2795624, 634 Email : principalruhscms@ruhsraj.org
No. :- RUHS CMS/Store/2024-25/11034 Date :- 11/03/2025
ई-निविदा सूचना
राज.स्वा.वि.वि. आयुर्विज्ञान महाविद्यालय में कार्य की प्रकृति के आधार पर विभिन्न मैनपावर सेवाओं के उपापन हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत राशि रू. 110.00 लाख) (UBN:CMS2425SLRC00045)

1.	Bid Download Start Date/Time	11/03/2025 at 05.00 PM
2.	Bid Submission Start Date/Time	11/03/2025 at 05.00 PM
3.	Bid Submission End Date/Time	01/04/2025 at 05.00 PM
4.	Technical Bid Opening Date/Time	02/04/2025 at 11.00 PM

Details may be seen in the Bidding Document at https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in or on RUHS CMS Jaipur.
Principal, RUHS College of Medical Sciences, Jaipur
Raj.Samwad/C/24/13375

OFFICE OF THE ADDITIONAL CHIEF ENGINEER, PHED, REGION AJMER
Telephone No. 0145-2628475, Fax No. 0145-2970247, e-mail: aceregionajmer@gmail.com
No. F.()/Ar.AJM/2024-2025/16875-16879 Date: 10/03/25
DATE CORRIGENDUM-1
(NIT No. 22/2024-2025)
In continuation to this office NIT No. 22/2024-2025, issued vide this office letter No. 15174-15823 dated 14.02.2025 for the work of "Providing. Installing & commissioning Fast Bus Transfer System at Thadoli, Kekri, Goyala & Nasirabad Headworks Under Bisalpur Ajmer Water Supply Project. (NIT No.22/2024-25; Estimated Cost Rs.209.46 Lacs).", following amendments are hereby notified:

As per Published Information	Now amended as
Following bids are invited from interested bidders up to 10.03.2025 Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.	Following bids are invited from interested bidders up to 20.03.2025 Other particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.

All other terms, conditions and stipulations of the original NIT shall remain unchanged.
OLD UBN No. PHE2425WSOB309868
DIPR/C/2212/2025
DIPR/C/3733/2025
(Ram Chandra Rar) Addl. Chief Engineer PHED, Region, Ajmer

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर
क्रमांकः विज्ञापन सं. 26/Exam/Dy. Commandant/RPSC/EP-I/2024-25 दिनांकः 18.03.2025
आयोग द्वारा गृह रक्षा विभाग के लिए राजस्थान गृह रक्षा एवं नागरिक सुरक्षा सेवा नियम, 1976 के अन्तर्गत उप समादेष्टा (Dy. Commandant) के कुल 04 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षिणक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाईट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2026 को न्यूनतम 20 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 24.03.2025 से दिनांक 22.04.2025 रात्रि 12-00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना :- एकबारीय पंजीयन शुल्क, आवेदन प्रक्रिया, प्रमाण पत्रों से संबंधित सूचना एवं परीक्षा से संबंधित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध नवीनतम एवं संशोधित परीक्षार्थियों हेतु आवेदन व परीक्षा संबंधी सामान्य दिशा-निर्देश तथा सम्बन्धित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से कर लें एवं इस परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट hts://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/ सूचना / स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.- 0145-2635212 एवं 2635200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।
DIPR/C/_____/2025 (रामनिवास मेहता) सचिव

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग खण्ड सॉचौर
एन. एच. 68, PHED Campus, सॉचौर (जालोर)
Te. Pho. No 02979-283624, E-mail.: cephedser@gmail.com
क्रमांकः अ.अ./जन स्वा./ सॉ/निविदा/2024-25/ दिनांकः-
ई-निविदा सुचना संख्या 28/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से खण्ड सॉचौर के अधीन विभिन्न कार्य कराने हेतु लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

कार्यालय का नाम व स्थान	अधिशाषी अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग खण्ड सांचौर
निविदा का कार्य	Annual rate contact of providing, Laying and Jointing of HDPE pipeline of various sizes at in UWSS And Rural schemes Division Sanchore on turnkey basis.
निविदा की कुल लागत (राशि लाखो में)	कुल निविदा 02 रु. 220.00 लाख
निविदा प्रपत्र वेबसाईड पर उपलब्ध एवं ऑन लाईन सबमिट की दिनांक	10.03.2025 से 20.03.2025 को 13.00 बजे तक
निविदाएँ खोलने की तिथी व समय	21.03.2025 को 11.00 बजे से
UBN No	PHE 2425 WSRC 11416, PHE 2425WSRC 11417

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://dipr.rajasthan.gov.in http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं भरा जा सकता है। शुद्धि पत्र केवल वेबसाईड पर ही अपलोड किये जायेगे। (पृथ्वीसिंह)
DIPR/C/3701/2025 अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड सॉचौर

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND
S.No./M.B.Nath/Store/2025/18080 Date : 12.03.2025
Notice Inviting Bid
Bids for different works Nit No. 73/2024-25 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to date 22-03-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.
UBN No. – DLB2425WSOB20565
Commissioner, Municipal Board Nathdwara
Raj.Samwad/C/24/13342

कार्यालय नगर पालिका अन्ता जिला बारां (राज0)
कोटा बारां रोड़, अन्ता 325202 दूरभाष-07457-244404 फैक्स-244404 Email : antanagarpalika@gmail.com, nagarpalikaanta1@gmail.com
क्रमांक : न.पा.अ./निर्माण/2024-25/18-20 दिनांकः- 11/03/2025
निविदा सूचना- 20/2025-26
नगर पालिका अन्ता द्वारा निर्माण संबधित कार्य हेतु विभिन्न विभागों में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा पद्धति से निम्नानुसार ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र लोक उपापन की वेबसाईट http://Sppp.rajasthan.gov.in, http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त कर सकेगें।
NIB No – DLB2425A6547
UBN No – DLB2425WSOB21070
DLB2425WSOB21072
अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका अन्ता
राज.संवाद/सी/24/13415

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- राजकाज 14207642 दिनांक :- 17/03/2025
ई-बिड सूचना संख्याः- जोन उत्तर-सी/05/24-25
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से सिविल कार्यो हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन लाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB CODE :- :- JOD2425A0184
UBN No. :- JOD2425WSOB00417 to 418
राज.संवाद/सी/24/13393 अधिशाषी अभियंता (उत्तर-सी)

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- राजकाज 14172691 दिनांक :- 12/03/2025
ई-बिड सूचना संख्या :- जोन विद्युत-I/17/2024-25
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से विद्युत कार्यों हेतु संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया से विद्युत कार्यों हेतु ऑनलाईन बिड आमंत्रित की गई है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.jodhpurjda.org, www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। NIB Code : JOD2425A0181, UBN No. :- JOD2425WSOB00402 To JOD2425WSOB00407
राज.संवाद/सी/24/13319 अधिशाषी अभियंता (विद्युत-I)

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
बोरखेड़ा, बारां रोड, कोटा 324001 (राज.)
No. : F.4( )/ AUK/VIGHYAPTI/EO/2025/870 Date :- 15/03/2025
निविदा सूचना संख्या 15/2024-25
कृषि विश्वविद्यालय के अन्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में वैद्य पंजीकृत एवं आवश्यक योग्यताधारी संवेदकों से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रपत्र में आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेबसाईट http://aukota.org, eproc.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। यह निविदा दिनांक 12.03.2025 को 6:00 बजे पूर्वान्ह से 21.03.2025 सायं 2:00 बजे तक बेची जावेगी। NIB code AUK2425A0144, UBN : AUK2425GLOB00191, AUK2425WSOB00192, AUK2425WSOB00193
राज.संवाद/सी/24/13324 सम्पदा अधिकारी

Office of the Superintendent Engineer Cum Project Manager WCDC, Karauli
File No. :- 3997 Date :- 12/03/2025
NOTICE INVITING BID
NIB No. : 02/2024-25
Bids for Talai, MPT, Percolation tank, ECD Construction work Project PMKSY2.0 Block – Karauli, Todabhim & Mandrail of estimated value INR 564.98 Lacs [05 Package] are invited from interested bidders up to 06.00 PM, 24-03-2025, Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in or https://sppp.rajasthan.gov.in/) of the state, departmental website.
NIB CODE:- WSC2425A0666
UBN NO- WSC2425WSRC01391, WSC2425WSRC01392, WSC2425WSRC01393, WSC2425WSRC01395, WSC2425WSRC01398
Superitending Engineer Cum Project Manger
Raj.Samwad/C/24/13352

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, खण्ड जालोर
Tel: 02973-222272, Email: xenphed_jal@yahoo.in
क्रमांकः-वृत/जालोर / निविदा/ / 2024-25/5078-84 दिनांकः- 10.03.2025
बिड आमंत्रण सूचना (NIB) संख्या 42/2024-25
राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु लोकनिर्माण और वित्तीय नियम के पार्ट-4 नियम 334 (ए) (iii) के तहत रू. 150.00 लाख तक की निविदाओं हेतु केवल जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मे पंजीकृत एवं इससे अधिक लागत की निविदाओं हेतु जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में पंजीकृत निविदादाताओं हेतु नियमानुसार छूट के साथ एवं केन्द्र / राज्य सरकार के अधिकृत विभागों / संगठनों, केन्द्रिय लोक निर्माण विभाग, रेल, डाक, दूर संचार विभागों में उपयुक्त समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से पूर्ण धरोहर राशि के साथ ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निम्न ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती हैः-

बिड संख्या	Name of Work	अनुमानित लागत (लाखों मे)	धरोहर राशि 2 प्रतिशत	बिड शुल्क (रूपये)	ई-प्रकिया शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि
42/ 2024-25	Annual rate contract for providing house hold service connections (HSCs) including one year defect liability Period under (Urban Sector) City Sub Dn Jalore	20.00	40000/-	1000/-	1000/-	12 माह

ऑनलाईन बिड उपलब्ध होने की तिथि	11.03.2025
ऑनलाईन बिड डाउनलोड / अपलोड करने की अन्तिम तिथि	20.03.2025 को 6.00 पी.एम.
ऑनलाईनबिड खोलने की तिथि	21.03.2025 को 2.00 पी.एम.

बिड से संबंधित समस्त विवरण वैबसाईट www.dipronline.org, sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
NIB No.-PHE2425A5242
UBN No.-PHE2425WSRC11508
DIPR/C/3791/2025
(श्याम बिहारी बैरवा) अधिशाषी अभियंता जन स्वास्थ्य अभियात्रिक विभाग, खण्ड जालोर

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर
टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001
दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com
क्रमांकः- डे.एन.यु.एल.एम./2024-25/231 दिनांकः- 12.03.2025
आश्रय स्थलों के संचालन कार्य हेतु तकनीकी निविदा का प्रस्ताव आमंत्रण
सर्वसाधारण विशेष रूप से रजिस्टर्ड गैर सरकारी स्वयं सेवी संस्थाओं, एरिया लेवल फेडरेशन/सिटी लेवल फेडरेशन एवं कॉर्पोरेट सोशल रिस्पोन्सिबिलिटी (C.S.R.) के अन्तर्गत सहयोग देने वाली कम्पनीज/संस्थाओं (जिन्हें आगे चलकर आवेदनकर्ता/संस्था सम्बोधित किया जाएगा) को सूचित किया जाता है कि वर्तमान में नगर निगम द्वारा उदयपुर शहर के नगरीय क्षेत्र में दीनदयाल अन्त्योदय योजना DAY NULM के अन्तर्गत विभिन्न स्थानों पर स्थित सात आश्रय स्थलों का संचालन किया जा रहा है। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आश्रय स्थलों के संचालन हेतु वित्तीय निविदा के स्थान पर तकनीकी निविदा के माध्यम से योग्य एवं अनुभवी संस्थाओं का चयन करते हुए आश्रय स्थलों का संचालन करवाया जाना है। उक्त निर्देशो की पालना में तकनीकी निविदा हेतु प्रस्ताव संलग्न आवेदन पत्र में आमंत्रित किये जाते है। निविदा से सम्बंधित प्रपत्र व जानकारी SPPP Portal पर देखी जा सकती है। आवेदन पत्र दिनांक 12.03.2025 से दिनांक 19.03.2025 समय 06:00 तक कार्यालय नगर निगम के कक्ष सं. 69 से प्राप्त किये जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन सील बंद लिफाफा मे दिनांक 20.03.2025 को समय 05:00 तक कक्ष सं 69 मे निर्धारित बॉक्स मे डाले जा सकेगे। निर्धारित तिथि व समय के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। निर्धारित दिनांक तक प्राप्त समस्त आवेदन पत्रो को उसी दिन दोपहर 3:00 बजे उपस्थित आवेदनकर्ता के समक्ष खोला जाएगा। पात्रता के परिणाम 5 कार्य दिवसो मे घोषित कर दिये जाएगें। आवेदन पत्र का शुल्क 500+18% GST=590/रू प्रति आवेदन पत्र होगा जो नकद भुगतान या आयुक्त नगर निगम उदयपुर के नाम डी.डी द्वारा जमा कराना होगा। चेक स्वीकार्य नही होगा तथा आवेदन पत्र आश्रय स्थल वार पृथक-पृथक प्रस्तुत करने होंगे। आवेदन पत्र का शुल्क रिफण्डेबल नहीं होगा। आवेदन के साथ संभावित वार्षिक वित्तीय सहायता राशि के 2% मूल्य के बराबर बोली प्रतिभूति राशि का डिमाण्ड ड्राफ्ट संलग्न करना आवश्यक होगा।
UBN No UNP2425WS0B00218
आयुक्त नगर निगम, उदयपुर
राज.संवाद/सी/24/13388

जयपुर विकास प्राधिकरण

ई-नीलामी
मार्च-2025 (II), एवं अप्रैल-2025 (I)
228
जयपुर में आवासीय, व्यावसायिक, मिश्रित भू-उपयोग, दुकान, ग्रुप हाउसिंग एवं रिसॉर्ट भूखण्ड

11 | आवासीय भूखण्ड
01 आनंद विहार योजना, जयपुर
01 कल्पना नगर योजना, जयपुर
01 लोहा मण्डी माचेड़ा फेज-प्रथम, जयपुर
01 महल योजना डी-ब्लॉक, जयपुर
01 निलय कुंज योजना, जयपुर
05 स्वर्ण विहार जयपुर
01 निलय कुंज फेज-द्वितीय, जयपुर (रेरा पंजी. नं. RAJ/P/2019/937)

137 | व्यावसायिक भूखण्ड
07 आकृति एन्क्लेव-ए योजना, जयपुर
04 आकृति एन्क्लेव-बी योजना, जयपुर
02 एक्मे होम्स स्कीम, जयपुर
12 आदिनाथ सरोवर-ए योजना, जयपुर
06 अनिरुद्ध एन्क्लेव योजना, जयपुर
07 आशादीप ग्रीन्स योजना, जयपुर
08 डायमंड सिटी योजना, जयपुर
02 गणक एन्क्लेव योजना, जयपुर
01 गोल्डन रेजीडेंसी योजना, जयपुर (रेरा पंजी. नं. RAJ/P/2023/2595)
08 गोवर्धन विहार योजना, जयपुर
01 हरित विहार योजना, जयपुर
04 हर्ष वाटिका योजना, जयपुर
06 खुशी संसार योजना, जयपुर
01 लालकोठी स्कीम, जयपुर
03 लोहामंडी (ब्लॉक-सी) योजना, जयपुर
25 लोहा मण्डी, माचेड़ा फेज-प्रथम, जयपुर
08 नाथू लाल करोल एन्क्लेव योजना, जयपुर
04 दी रिंग एवेन्यू ब्लॉक-बी स्कीम, जयपुर
08 शौर्य नगर योजना, जयपुर
06 रघु वैली योजना, जयपुर
04 दी रियासत रेजीडेंसी योजना, जयपुर (रेरा रजि. नं. RAJ/P/2022/2033)
02 वीआरबी पर्ल एन्क्लेव योजना, जयपुर (रेरा रजि. नं. RAJ/P/2022/1799)
01 ट्रांसपोर्ट नगर, जयपुर
02 वेस्ट वे हाइट्स स्कीम जयपुर
04 संस्थानिक योजना ग्राम-देहमीकला, जयपुर
01 न्यू आतिश मार्केट विस्तार ख. नं. 66, 73 एवं 74, ग्राम सुखालपुरा, जयपुर

60 | मिश्रित भू-उपयोग भूखण्ड
03 मेट्रो एन्क्लेव, जयपुर (रेरा पंजी. नं. RAJ/P/2019/1133)
10 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-पीपला, जयपुर
19 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम- अभयपुरा, जयपुर
06 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-सीतारामपुरा, जयपुर
06 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम- अजयराजपुरा, जयपुर
05 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम-सीतारामपुरा योजना, जयपुर
01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम- कानडवास, जयपुर
01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम- रातल्या, जयपुर
01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम- खेड़ी गोकुलपुरा, जयपुर
01 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम- सूरजपुरा जयपुर
07 रिंग रोड प्रोजेक्ट ग्राम- जयसिंहपुरा बुहारिया, जयपुर

06 | ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड
03 अनुपम विहार योजना, जयपुर
01 ग्रुप हाउसिंग स्कीम ग्राम-गोनेर, जयपुर
01 मानपुरा टीलावाला योजना, जयपुर
01 अनंतपुरा ग्रुप स्कीम, जयपुर

08 | फार्म हाउस / गोदाम भूखण्ड
05 फार्म हाउस गोविन्दपुरा रोपाड़ा योजना, जयपुर
03 गोदाम (टाइप-बी) ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर

03 | सर्विस यार्ड भूखण्ड
01 सर्विस यार्ड (टाइप- ए) ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर
02 सर्विस यार्ड (टाइप- बी) ट्रांसपोर्ट नगर, सीकर रोड, जयपुर

02 | रिसोर्ट/रेस्टोरेंट/ कैफेटेरिया
01 रिसोर्ट भूखण्ड निलय कुंज फेज-द्वितीय, जयपुर
01 रेस्टोरेंट/ कैफेटेरिया भूखण्ड निलय कुंज फेज-द्वितीय, जयपुर

01 | संस्थानिक भूखण्ड
01 रामचन्द्रपुरा योजना जगतपुरा, जयपुर

नीलामी की नियम व शर्तों के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट https://jda.rajasthan.gov.in देखें।
रेरा वेबसाईट : http://rera.rajasthan.gov.in
अधिक जानकारी के लिये QR कोड स्केन करें
राज.संवाद/सी/24/13312
भूखण्डों की अधिक जानकारी के लिए कॉल करें: + 91 9462 569 696
इंदिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर- 302004

पुलिस ने वन्यजीव तस्कर पकड़ कर किए 45 कछुए बरामद

■ बैग में भरकर भरतपुर से लाया, तीन राज्यों में करते थे सप्लाई

जयपुर। रामगंज थाना पुलिस ने वन्यजीव तस्करी मामले में अंतरराज्यीय गैंग के मेंबर को गिरफ्तार किया है। आरोपी तस्करी के कब्जे से भरतपुर से बैग में भरकर लाए 45 कछुए बरामद किए गए है। पूछताछ में राजस्थान सहित तीन राज्यों में कछुओं की सप्लाई करना आरोपी ने स्वीकार किया है। पुलिस फिलहाल गिरफ्तार आरोपी तस्कर से पूछताछ कर रही है।

डीसीपी उत्तर राशी डोगरा डूडी ने बताया कि वन्य जीव तस्करी में आरोपी सोनू (37) निवासी मथुरा गेट भरतपुर हाल कली का भट्टा गलता गेट को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मिले बैग से 45 कछुओं को जब्त किया है। वन्यजीवों की अवैध रूप से तस्करी कर मोटा पैसा कमाने की लगातार सूचना मिल रही थी। जिला स्पेशल टीम जयपुर उत्तर(डीएसटी) के हेड कॉन्स्टेबल सुरेन्द्र पाल सिंह ने सूचना को डबलप किया। मंगलवार दोपहर मुखबिर से सूचना मिली कि एक लड़का बाबू का टीबा चैपड़ी तोपखाना हुजुरी में बैग लटका कर घूम रहा है। उसके बैग में बड़ी संख्या में कछुए रखे है। तस्करी कर लाए कछुओं को बेचने की फिराक में घूम रहा है। डीसीएटी प्रभारी दिलीप सोनी व एसएचओ रामगंज देवेन्द्र प्रताप वर्मा के नेतृत्व में टीम ने घेराबंद कर संदिग्ध को पकड़ा। तलाशी लेने पर बैग में कछुए भरे मिले। पुलिस ने आरोपी सोनू को वन्यजीव तस्करी में गिरफ्तार कर उसके कब्जे से मिले 45 कछुओं को जब्त किया गया। पूछताछ में सामने आया है कि वह भरतपुर इलाके से कछुआ की अवैध रूप से बड़े स्तर पर तस्करी करने वली अंतरराज्यीय गैंग का मेंबर है। वह तौफिक नाम के व्यक्ति से खरीदकर कछुओं को खरीदकर लाया था। तस्करी कर कछुओं की सप्लाई जयपुर, अजमेर, सिरोही, दिल्ली और हरियाणा आदि स्थानों पर करनी थी। इनसे कमाए मोटे प्रॉफिट से वह नशे की लत व अय्याशी की पूर्ति करना है।

राज्य कर्मचारी महासंघ ने कलेक्ट्रट पर प्रदर्शन किया

जयपुर। अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के बैनर तले मंगलवार को जयपुर जिला कलेक्ट्रेट सर्किल परमहासंघ से संबद्ध विभिन्न घटक संगठनों के प्रदेश एवम जिला कार्यकर्तासैकड़ों की संख्या में पहुंचे। और नारेबाजी करते कलेक्ट्रेट सर्किल क़े चारो ओर विरोध जुलूस निकाला। इसके बाद महासंघ जिलाध्यक्ष के के यादव, मुख्य जिला मंत्री सज्जन सोनी, कैलाश दादरवाल एवम जयपुर संभाग अध्यक्ष विकास शर्मा के नेतृत्व मे जिला कलेक्टर को मुख्यमंत्री और एवम मुख्य सचिव के नाम 17 सूत्रीय मांगपत्र ज्ञापन सोपा। इस अवसर पर प्रदर्शन में शामिल हुए संरक्षक सियाराम शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र राना, मुख्य महामंत्री नवीन शर्मा, महामंत्री विपिन शर्मा एवं प्रमुख सलाहकार शशि भूषण शर्मा ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य के समस्त विभागो में कार्यरत 6। लाख से अधिक नियमित एवम लगभग तीन लाख अनियमित कर्मचरियो की ज्वलंत समस्याओं का समय रहते समाधान के लिए राज्य सरकार को सजग होना होगा।

एस.ओ.जी. ने एक और उप निरीक्षक को गिरफ्तार किया

आरोपी उप निरीक्षक मोनिका

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में एक और उप निरीक्षक पुलिस (प्रोबेशनर) को गिरफ्तार किया है। फिलहाल एसओजी की टीम पूछताछ करने में जुटी है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वीके सिंह ने बताया कि उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा 2021 में चयनित उप निरीक्षक पुलिस (प्रोबेशनर) मोनिका (25) निवासी नवलगढ़ जिला झुंझुनू हाल उप निरीक्षक पुलिस (प्रशिक्षु) पुलिस लाईन झुन्झुनू को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार आरोपित मोनिका ने ब्लूटूथ डिवाइस द्वारा नकल गिरोह के सरगना पौरव कालेर से 15 लाख रुपये में परीक्षा से पूर्व ब्लूटूथ के माध्यम से पेपर पढवाने के लिए सौदा किया। आरोपित मोनिका की उप निरीक्षक पुलिस की परीक्षा 15 सितम्बर 2021 को अजमेर में थी। पौरव कालेर ने ब्लूटूथ के माध्यम से मोनिका को उप निरीक्षक पुलिस की लिखित परीक्षा की दोनों पारियों का पेपर पढ़ाया। जिसके फलस्वरूप मोनिका ने उक्त परीक्षा के हिन्दी विषय में 200 में से 184 अंक तथा सामान्य ज्ञान विषय में 200 में से 161 अंक प्राप्त किए। आरोपित मोनिका को साक्षात्कार में मात्र 15 अंक प्राप्त हुए। मोनिका का उप निरीक्षक पुलिस के पद पर मेरिट क्रमांक 34 पर चयन हुआ। इस के लिए मोनिका ने पौरव कालेर को 15 लाख रुपये दिए।

एसओजी ने पौरव कालेर को गिरफ्तार करने पर मोनिका राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर से फरार हो गई। जिसे आवंटित जिला झुंझुनू में ज्वाइन करने पर एसओजी कार्यालय में पूछताछ के गिरफ्तार किया गया।

41 लाख के चैक बाउंस के मामले में अभियुक्त को दोषीमुक्त करार दिया

अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल

■ इस मामले में अभियुक्त राकेश मेहरचन्दानी की ओर से श्वेताभ सिंघल ने पैरवी की

जयपुर। जयपुर महानगर-प्रथम के वरिष्ठ न्याय मजिस्ट्रेट सीमा रानी ने 41 लाख के चैक बाउंस के मामले में आरोपी को पूरी तरह दोष मुक्त किया है। न्यायालय ने यह आदेश राजेश जैन बनाम राकेश महरचन्दानी के मामले पर सुनवाई करते हुए दी। इस मामले में आरोपी के तरफ से मुख्यत: पैरवी अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल की ओर से की गई।

इस मामले के तथ्य के अनुसार परिवादी राजेश जैन और अभियुक्त राकेश मेहरचन्दानी के मध्यम वर्ष 2015 में किया गया था। इस इकरारनामा के अचल सम्पत्ति, गैरेज में बनी दुकान के संदर्भ में निष्पादित किया गया। इस संदर्भ में परिवादी द्वारा 25 लाख का अग्रिम भुगतान किया गया था। लेकिन अभियुक्त द्वारा इकरारनामा की पालना नहीं की गई। जिसके चलते परिवादी द्वारा अभियुक्त से बेचान के लिये दी गई अग्रिम राशि कई बार वापस मांगी गई और अभियुक्त को तलब किया गया। तत्पश्चात अभियुक्त ने 25 मई 2018 को परिवादी को अंतिम भुगतान के रूप में 41 लाख रुपये का चैक सौंपा। परंतु यह चैक बाउंस हो गया।

जब यह मामला अदालत में पहुंचा, तो अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल द्वारा बताया गया कि परिवादी और अभियुक्त के बीच में इकरारनामे के अनुसार केवल 25 लाख रुपये की राशि अग्रिम भुगतान के रूप में दी गई थी। और परिवादी कहीं भी यह साबित नहीं कर पाया कि अभियुक्त को 41 लाख रुपये की राशि उसे लौटानी थी। इसके अलावा इकरारनामे में कहीं भी यह लिखा नहीं गया है कि अभियुक्त के द्वारा किये गये अंतिम भुगतान में हर्जे-खर्चे की राशि भी जोड़ी जायेगी। इसके अलावा अधिवक्ता श्वेताभ सिंघल ने अदालत को बताया कि परिवादी द्वारा दिये साक्ष्य अभियुक्त को पूरी दोषी करार देने में असफल है।

परिणाम स्वरूप यह न्यायालय अभियुक्त राकेश मेहरचंदानी को धारा 138 एनआई एक्ट 1881 के अपराध के आरोप से संदेह का लाभ देकर दोष मुक्त किया जाना उचित समझता है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अभियुक्त के न्यायालय के समक्ष अपनी उपस्थिति बाबत पूर्व में प्रस्तुत जमानत मुचलके धारा 437ए दंड प्रक्रिया संहिता के अंतर्गत आगामी 6 माह तक प्रभावी रहेंगे।

जयपुर में स्टंटबाजों पर कसा शिकंजा

पुलिस ने हुडदंग करने वाले 15 युवकों के खिलाफ कार्रवाई कर उन्हें गिरफ्तार किया।

जयपुर। त्योहारी मौसम में सड़कों पर स्टंटबाजी और हुडदंग करने वाले युवकों के खिलाफ जयपुर उत्तर पुलिस ने तीसरे दिन भी अपनी कार्रवाई जारी रखी। पुलिस आयुक्त बीजू जार्ज जोसफ के निर्देशानुसार, जयपुर उत्तर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में बाइक और कार से स्टंट करते हुए रैली निकालने और आपत्तिजनक नारेबाजी करने वाले युवकों पर पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी आईपीएस ने बताया कि इन युवकों के खिलाफ निरोधात्मक कार्रवाई की गई और कुल 15 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। साथ ही, 20 वाहनों को एमवी एक्ट के तहत जब्त किया गया और 5 वाहनों का चालान किया गया। यह कार्रवाई जिला उत्तर के वृत आमेर, रामगंज और माणक चैक के थाना अधिकारियों की देखरेख में की गई। पुलिस ने बताया कि यह कार्यवाही त्योहारी सीजन में लोगों की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए की जा रही है। स्टंटबाजों के खिलाफ पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि सड़कों पर हो रही अनावश्यक परेशानी को रोका जा सके और आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

हथियार लेकर घूम रहे चार बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारदात की फिराक में घूम रहे चार बदमाशों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है। बदमाशों से 5 देशी पिस्टल, एक 12 बोर बंदूक और 373 गोलियां (7.65 एमएम) और 2 12 बोर जिंदा कारतूस बरामद की है। पुलिस ने अलग-अलग जगह कार्रवाई कर सभी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि डीएसटी और करधनी थाना पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले संदिग्धों के खिलाफ अभियान चला रखा है। इस दौरान तीन संदिग्धों को डिटेन कर पूछताछ की। इसके बाद पुलिस ने चार एफआईआर दर्ज चार बदमाशों को गिरफ्तार किया।

राजस्थान दिवस पर युवा और महिला वर्ग को राज्य सरकार देगी सौगातें : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च) को लेकर राज्य सरकार बड़े स्तर पर प्रदेश के विभिन्न वर्गों के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुशासन के जरिए विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए युवा, किसान, महिला और गरीब वर्ग को विभिन्न सौगातें देगी।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान के युवाओं के सरकारी नौकरियों में रोजगार के सपने को साकार करते हुए रोजगार उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे।जिला मुख्यालयों पर रोजगार मेला भी आयोजित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि स्कील नीति व युवा नीति भी लायी जाएगी, जिससे युवाओं के सपने साकार हो सकेंगे। सभी जिला मुख्यालयों पर ''रन फॉर फिट राजस्थान'' का आयोजन होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से अहम निर्णय ले रही है। राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की कड़ी में महिला वर्ग को भी विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत डीबीटी की जाएगी।

पुलिस ने अभियान चला कर 700 हार्डकोर-संदिग्ध बदमाशों को दबोचा

■ अभियान में सक्रिय अपराधियों को पुलिस ने हिरासत में लिया एवं उनके खिलाफ अग्रिम कार्रवाई की जाएगी

जयपुर। जयपुर पुलिस ने मंगलवार अल सुबह अभियान चलाकर पुलिस कमिश्नरेट के चारों जिलों के सभी थाना क्षेत्रों के लगभग 700 हार्डकोर एवं संदिग्ध बदमाशों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर पुलिस की ओर से पुलिस कमिश्नरेट के सभी थाना क्षेत्रों में सक्रिय अपराधियों की धरपकड़ के लिए अभियान चलाया गया है। इस अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस ने हिरासत में लियाएवं उनके खिलाफ विधि एवं न्याय अनुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। जिला पूर्व में 946 संदिग्ध अपराधी चिन्हित किए गए, एमवीएक्ट, एक्साइज एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, 129 व 170 बीएनएसएस, अन्य एक्ट में लगभग 250 अपराधियों को हिरासत में लिया गया। । पश्चिम जिले में 1048 संदिग्ध अपराधी चिन्हित लगभग 250 अपराधियों को हिरासत में लिया गया। उत्तर जिले में 212 संदिग्ध अपराधियों को चिन्हित कर लगभग 73 अपराधियों को हिरासत में लिया गया।दक्षिण जिले में अपराधियों के खिलाफ धरपकड़ अभियान में 739 संदिग्ध अपराधी चिन्हित 136 अपराधियों को हिरासत में लिया गया। अभियान तहत सक्रिय अपराधियों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

छह पुलिसकर्मी कांस्टेबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने मंगलवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छह पुलिसकर्मियों को कांस्टेबल ऑफ दी मंथ के अवार्ड से सम्मानित किया। फरवरी माह का कांस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार के लिए पूर्व जिले के प्रतापनगर थाने के कांस्टेबल गणेश, बिन्दायका थाने के संदीप कुमार, जालूपुरा थाने के कांस्टेबल शिवराज चैयल, सांगानेर सदर थाने के कांस्टेबल प्रेम चैधरी, यातायात पुलिस के कांस्टेबल रणजीत व कांस्टेबल सीताराम को सम्मानित किया।

शांति धारीवाल व महेश जोशी सहित छह को वापस जारी किए नोटिस

■ तत्कालीन विधानसभाध्यक्ष की ओर से कांग्रेस के तत्कालीन 81 एमएलए की ओर से 25 सितंबर 2022 को दिये इस्तीफों पर निर्णय नहीं करने और 113 दिन देरी से इन्हें अस्वीकार करने के मामले में नोटिस की तामील नहीं हुई थी

जयपुर। हाईकोर्ट ने राजस्थान विधानसभा में तत्कालीन स्पीकर की ओर से कांग्रेस के तत्कालीन 81 एमएलए की ओर से 25 सितंबर 2022 को दिये इस्तीफों पर निर्णय नहीं करने और 113 दिन देरी से इन्हें अस्वीकार करने के मामले में पूर्व मंत्री शांति धारीवाल सहित छह को नोटिस की तामील नहीं होने पर उन्हें पुन: नोटिस जारी करने के लिए कहा है। अदालत ने जिन अन्य को नोटिस के लिए कहा है उनमें महेश जोशी, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी, रामलाल जाट व संयम लोढा शामिल हैं। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश बीजेपी नेता राजेंद्र राठौड की जनहित याचिका पर दिए।

सुनवाई के दौरान राठौड की ओर से अदालत को बताया कि मामले में शांति धारीवाल सहित जिन नेताओं को पक्षकार बनाया था, उन्हें नोटिस की तामील नहीं हो पाई है। इसलिए इन्हें नए सिरे से नोटिस जारी किए जाए। जिस पर खंडपीठ ने धारीवाल सहित 6 को नोटिस जारी किए। पिछली सुनवाई पर याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि तत्कालीन 75 एमएलए का कहना है कि उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफों पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, तो स्पीकर को इस्तीफा सौंपने वाले छह एमएलए शांति धारीवाल, महेश जोशी, संयम लोढ़ा, रफीक खान, महेन्द्र चौधरी व रामलाल जाट से यह पूछना चाहिए कि उनके पास बाकी 75 एमएलए के इस्तीफे कहां से आए।

खाता किराए पर लेकर साइबर ठगी करने वाले तीन ठग गिरफ्तार

जयपुर। साइबर फ्रॉड करने वाले तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। इनके पास से पुलिस टीम को 8 मोबाइल, 11 एटीएम कार्ड, 5 सिम कार्ड, 2 चैक, एक एयरटेल का डोंगल और एक पासबुक मिली है। जो लोगों से बैंक खाते किराए पर लेकर गलत काम कर रहे थे। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि 11 मार्च को पुलिस टीम को एक पीड़ित से सूचना मिली कि 4 महीने पहले उसका सुरेश नाम के व्यक्ति से फेसबुक पर संपर्क हुआ। सुरेश ने वॉट्सऐप नंबर पर कॉल कर बताया कि वह यूएसडीटी (क्रिप्टोकरेंसी) का काम करता है। मुझे अपना अकाउंट, एटीएम कार्ड और सिम कार्ड दे दो। तुम्हारे अकाउंट में बिल्कुल सुरक्षित लेनदेन करूंगा।

रोड निर्माण को लेकर जेडीए और आवासन मंडल का अलग रुख

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एयरपोर्ट से हल्दी घाटी सर्किल तक सौ फीट चौडी रोड निर्माण के मामले में कडी टिप्पणी की है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख यूडीएच सचिव को 19 मार्च को तलब किया है। अदालत ने प्रमुख सचिव से बताने को कहा है कि सौ फीट चौडी रोड निर्माण को लेकर क्या योजना है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस प्रमिल कुमार माथुर की खंडपीठ ने यह आदेश अजय मार्ग निर्माण संघर्ष समिति की याचिका पर सुनवाई कर करते हुए दिए। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रभावित मकान मालिकों को पक्षकार बना लिया है। अदालत ने कहा कि यह बडे दुर्भाग्य की बात है कि आवासन मंडल और जेडीए, नगरीय विकास विभाग के अधीन आते हैं। इसके बावजूद संबंधित रोड निर्माण को लेकर दोनों का मत अलग-अलग है। मामले से जुडे अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने बताया कि वास्तविक रोड पर कॉलोनियां बस गई हैं। वहीं जेडीए के जोनल डवलपमेंट प्लान, 2018 में आवासन के कई मकानों से यह सौ फीट रोड निकाल दी।

गद्दे की फैक्ट्री में लगी आग

आग इतनी भयानक थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई

■ मौके पर करीब 13 दमकल पहुंची और करीब दो घंटे से अधिक समय में आग पर काबू पाया

■ आग से लाखों रुपए का तैयार व कच्चा माल स्वाहा हो गया

जयपुर। हसनपुरा में मंगलवार शाम में एक गद्दे की फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि कुछ ही मिनटों में पूरी फैक्ट्री आग की चपेट में आ गई। मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के इलाकों में धुएं का गुबार फैल गया। आग की सूचना पर मौके पर करीब 13 दमकल पहुंची और करीब दो घंटे से अधिक समय में आग पर काबू पाया गया। आग से लाखों रुपए का तैयार व कच्चा माल स्वाहा हो गया।

पुलिस के अनुसार आग मंगलवार शाम करीब 3.45 बजे लगी। सूचना पर दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। आग ने कुछ ही समय में विकराल रुप धारण कर लिया था। आग की लपटें और धुआं करीब दो किमी की दूरी से नजर आ रहा है।

करीब तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हादसे में कोई जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन फैक्ट्री में रखा लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया। आग की सूचना पर 22 गोदाम से 2, बनीपार्क से 3, वीकेआई से 2, मानसरोवर और झोटवाड़ा से 2-2 सहित कुछ अन्य स्थानों से दमकल मोके पर पहुंची और आग बुझाने के लिए दमकलों को कई चक्कर लगाने पड़े। यह फैक्ट्री हसनपुरा निवासी इरफान की है। आग से करीब 15 लाख रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि फैक्ट्री में गद्दों के लिए इस्तेमाल होने वाले फोम और कपड़े मौजूद थे, जो आग पकड़ने में बेहद संवेदनशील होते हैं। इसी कारण आग तेजी से फैली। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि जांच के बाद ही स्पष्ट जानकारी मिल सकेगी।

प्रशासन की मुस्तैदी और फायर ब्रिगेड की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। आसपास की इमारतों को सुरक्षित खाली कराया गया और दमकल कर्मियों ने फैक्ट्री की सीमा में ही आग को सीमित रखा, जिससे अन्य भवनों को नुकसान नहीं पहुंचा।

इस घटना ने औद्योगिक इलाकों में सुरक्षा उपायों और अग्नि सुरक्षा मानकों की पुन: समीक्षा की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। जिला प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं। फैक्ट्री मालिक से भी जवाब-तलब किया गया है।

फर्नीचर गोदाम में लगी भीषण आग

जयपुर। आदर्श नगर थाना इलाके में मंगलवार सुबह फर्नीचर के एक गोदाम में आग लग गई। सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने फायर बिग्रेड की पांच गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। आग से गोदाम में लाखों रुपए का नुकसान होना सामने आया है। पुलिस प्रथम दृष्टया आग शॉर्ट सर्किट से लगना सामने आया है।

थानाधिकारी धर्म सिंह चौधरी ने बताया कि आदर्श नगर श्मशान के पास मोहम्मद इलियास का फर्नीचर का गोदाम है। शनिवार सुबह करीब 7.15 बजे बंद फर्नीचर गोदाम से अचानक धुआं उठने लगा।

देखते ही देखते धुंए के साथ ही आग की लपटे उठने लगी। गोदाम में आग लगने का पता चलने पर स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। गोदाम में रखे फर्नीचर के चपेट में आने पर आग की भीषण लपटे उठने लगी। स्थानीय लोगों की सूचना पर आदर्श नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फायर बिग्रेड को तुरंत आग लगने की सूचना दी। फायर बिग्रेड की पांच गाड़ियों ने मौके पर पहुंच कर करीब ढाई घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया।

करीब 4-5 दिन पहले ही ऑनर मोहम्मद इलियास ने इस बिल्डिंग में गोदाम को शिफ्ट किया था। आग से गोदाम में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस प्रथम दृष्टया जांच में आग शॉर्ट सर्किट से लगना बताया जा रहा है।

आध्यात्मिकता, विज्ञान और संस्कृति का संगम है संस्कृत : आचार्य बालकृष्ण

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली एवं पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 62वीं अखिल भारतीय शास्त्र स्पर्धा का उद्घाटन किया गया।

हरिद्वार। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली एवं पतंजलि विश्वविद्यालय,हरिद्वार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 62वीं अखिल भारतीय शास्त्र स्पर्धा का आयोजन 18 से 21 मार्च तक किया जा रहा है।

उद्घाटन सत्र में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलपति आचार्य बालकृष्ण ने बतौर मुख्य अतिथि सभागार को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृत केवल एक प्राचीन भाषा नहीं, बल्कि आध्यत्मिकता, विज्ञान और संस्कृति का अद्भुत संगम है। संस्कृत हमारी मूल भाषा है, जो सत्य और प्रामाणिकता पर आधारित है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम इस अमूल्य धरोहर को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में सफल होंगे।

उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ज्ञान और कलाओं की आधारशिला संस्कृत ही है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा बाहरी आक्रमणों के कारण अनेक चुनौतियों और षड्यंत्रों से गुजरी है,लेकिन इसके बावजूद हमारी संस्कृति,संस्कृत भाषा और शास्त्र आज भी प्रासंगिक और सशक्त हैं।

इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि संस्कृत भाषा केवल एक सम्प्रेषण का माध्यम नहीं,बल्कि भारतीय संस्कृति की आत्मा है। उन्होंने कहा कि यह अखिल भारतीय शस्त्रीय स्पर्धा संस्कृत भाषा के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को वैदिक साहित्य, दर्शन, व्याकरण, न्याय, ज्योतिष, साहित्य और संगीत जैसी विविध विधाओं में न केवल अपने ज्ञान का प्रदर्शन करने का अवसर प्राप्त होता है,बल्कि वे एक दूसरे से सीखकर संस्कृत के गूढ़ रहस्यों में भी निपुण बनते हैं।

इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय के मानविकी एवं प्राच्य विद्या संकायाध्यक्ष एवं कुलानुशासिका प्रो. साध्वी देवप्रिया,पतंजलि विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति प्रो. मयंक कुमार अग्रवाल,दूरशिक्षा निदेशक प्रो. सत्येंद्र मित्तल,कुलसचिव आलोक कुमार सिंह,कुलानुशासक स्वामी आर्षदेव सहित पतंजलि विश्वविद्यालय,हरिद्वार तथा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,नई दिल्ली के संकाय सदस्य,विद्यार्थी,शोधार्थी और देश के कोने-कोने से पधारे विद्वतजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन प्रो. पवन व्यास ने किया।

लोगों को वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूक करें : गर्ग

जालोर के कलैक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित हुई। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति जालोर की तृतीय तिमाही बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के मुख्य आतिथ्य व जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने बैंकों द्वारा विभिन्न योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुँचाने के लिए जागरूकता कैंप आयोजित करने तथा उद्यमिता विकास पर जोर दिया। उन्होंने जिले में बैंकिंग सुविधाओं से वंचित गांवों की पहचान कर बैंक अथवा बी.सी.पॉइंट के माध्यम से लोगों को बैंकिंग सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की बात कही। उन्होंने जालोर जिले की विख्यात जूतियाँ एवं जीरे का निर्यात को संगठित तरीके से बढ़ावा देने के साथ ही समस्त बैंकर्स को उद्योग में नवाचार व प्रोसेसिंग इकाई स्थापित करने के लिए ऋण प्रवाह करने की बात कही। बैठक में जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बैंकर्स को सरकार द्वारा प्रायोजित योजनाओं में पात्र लोगों के लंबित प्रकरणों का आगामी 15 दिवस मे निस्तारण कर उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। अग्रणी बैंक अधिकारी रमेश कुमार ने योजनावार प्रगति की जानकारी प्रस्तुत करते हुए कहा कि बैंकों की जमाए तिमाही दिसम्बर 2024 में 6972.21 करोड़ ऋण रूपये 7925.88 करोड़ होकर जिले का साखानुपात 113.68 प्रतिशत हैं। साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 का 4703.45 करोड़ के सापेक्ष दिसम्बर 2024 तक बैंको ने प्राथमिक क्षेत्र में कुल 4352.72 करोड़ के ऋण वितरित किए जो वार्षिक साख लक्ष्य का 92.54 प्रतिशत है। नाबार्ड के जिला विकास अधिकारी उत्तम डाबी ने आगामी वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक साख लक्ष्य योजना 5901.42 करोड़ जिले की समस्त बैंको को प्राथमिक क्षेत्र में सदन में प्रस्तुत कर अनुमोदन किया।

बैठक में विभिन्न विभागीय अधिकारी एवं बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।

टीबी रोगी को पोषण किट का वितरण किया

जालोर, (कासं)। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत मंगलवार को राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक एवं जालोर विधायक जोगेश्वर गर्ग ने निक्षय मित्र बन टीबी मरीज को पोषण किट वितरित किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने के संकल्प लिया है। प्रदेश को टीबी मुक्त बनाने के लिए निक्षय मित्र बन क्षय रोगियों को पोषण, रोजगार एवं अन्य सहयोग किया जा रहा है।

उन्होंने व्यापारियों, शैक्षिक संस्थानों, सामाजिक संस्थाओं, गैर-सरकारी संगठनों से अपील की है कि टीबी रोगियों को गोद लेकर उन्हें पोषाहार उपलब्ध करावें।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. असीम परिहार ने निक्षय मित्र बन टीबी रोगी को पोषण सहायता प्रदान करने के लिए मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर दिनेश महावर, नाथू सोलंकी, कैलाश शर्मा, अभिमन्यु सिंह, इमरान बैग, श्रवण कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रसूता के लिए रक्तदान किया

जालोर में ब्लड डोनर ग्रुप कार्यकर्ता ने रक्तदान किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। जालोर में ब्लड डोनर ग्रुप के रक्तदाता ने रेयर ब्लड देकर प्रसूता महिला की जान बचाई।

जालोर सरकारी अस्पताल में भर्ती महिला पेसेंट मीनाक्षी कंवर पत्नी बलवंत सिंह निवासी जोगावा आहोर के अप्लास्टिक एनीमिया की बीमारी है और हीमोग्लोबिन 2.7 होने पर डॉक्टर द्वारा सबसे रेयर ब्लड एबी नेगेटिव दो युनिट रक्त चढाने को बोला गया। जिसमें परिवार से ब्लड ग्रुप चेक करवाया। लेकिन सफलता हासिल नही मिली। साथ में बैठे रक्तमित्र हँसमुख गर्ग ने जालोर ब्लड डोनर ग्रुप संस्था के जिला सरंक्षक नितेश भटनागर से संपर्क किया। जिसमें रेयर ब्लड ग्रुप की व्यवस्था करवाने को बोला गया। केस को संज्ञान में लेते हुए और मरीज की स्थिति देखते हुए तुरंत ब्लड बैंक में पता किया। जिसमें एक यूनिट एबी पोजिटिव रक्त होने का बोला गया। जिसमें एक यूनिट श्रवण सिंह पुत्र शंभु सिंह निवासी जोगावा ने अपना बी पोजिटिव रक्तदान कर एक यूनिट एबी नेगेटिव ब्लड बैंक से बदले में एबी नेगेटिव की व्यवस्था करवाई। साथ ही ओर एक यूनिट रक्त के लिए संस्था के रक्तमित्र दिलीप कुमार पुत्र प्रहलाद राम निवासी कस्तूरबा कॉलोनी, जालोर ने अपना रेयर एबी नेगेटिव रक्त दान किया। तभी संस्था से अभिभूत होते हुए श्रवण सिंह ने अपने साथ आये चार ओर मित्रों से भी रक्तदान करवाया। जिसमे सुरेंद्र सिंह पुत्र पीर सिंह, दिनेश विश्नोई पुत्र पुनाराम विश्नोई, वीरेंद्र सिंह पुत्र लाबु सिंह, नाथूसिंह पुत्र जीवन सिंह निवासी जोगावा, आहोर जालोर ने ऐसे मरीजों के लिए रक्तदान किया है। श्रवण सिंह एवं उनके मित्रों ने बताया कि आगामी समय में रक्तदान शिविर का बोला गया।

साथ मे अंशुमान सिंह मालगढ, अभिमन्यु सिंह दुजाना, यशपालसिंह सिसोदिया जालोर, रवि कुमार लेटा, कुलदीप सिंह भवरानी, उम्मेद सिंह जोगावा, बलवंत सिंह जोगावा एवं यशवंत मेवाडा जालोर से मौजूद रहे।

पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता आज

जालोर, (कासं)। जिला पावर लिफ्टिंग संघ के तत्वावधान में 27 मार्च को जिला स्तरीय जूनियर, सब जूनियर, मास्टर पुरुष एवं महिला प्रतियोगिता सुदेलाव तालाब स्थित आर्य हनुमान व्यायामशाला में बुधवार शाम 6 बजे आयोजित होगी।

जिला पावर लिफ्टिंग संघ के सचिव कांतिलाल आर्य ने बताया कि पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता के सभी वर्ग के मुकाबले होंगे।

पुरुष वर्ग में 53, 59,66,74, 83, 93, 105, 120 महिला वर्ग मे 43,47,52,57,63,69,76,84, 84 भार वर्ग के अलग-अलग मुकाबला होंगे।

उन्होंने बताया कि सब जूनियर मे सन 2007 से 2013 तक(12 से 18 आयु के) ,जूनियर में 2002 से 2007 (19से 23 आयु के) तथा मास्टर वर्ग सन 1985 से अधिक(40 वर्ष से अधिक) वाले भाग ले सकते है।

आर्य ने बताया कि इस प्रतियोगिता के आधार पर चयनित जिला पावर लिफ्टिंग टीम 30 व 31 मार्च को धौलपुर में होने वाली 13 वीं राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में जालोर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

बुजुर्ग महिला के दोनों कान काटकर बालियां ले गए बदमाश

पाली, (निसं)। पाली जिले के गुड़ा एंदला इलाके में 62 साल की महिला के दोनों कान काटकर लुटेरे सोने की बालियां ले गए। महिला चिल्लाई तो छत पर सो रहे परिजन जागे। वे आते तब तक बदमाश फरार हो गए थे।

कानेलाव गांव के रहने वाले अशोक कुमार ने बताया कि मेरी ताई जुकादेवी (62) पत्नी सुजाराम सोमवार को घर के बरामदे में सो रही थी। चाचा सुजाराम चौक में सो रहे थे। जुकादेवी के बेटे गोपाल (25) और मुकेश (22) अपने परिवार साथ मकान की छत पर सो रहे थे।

रात डेढ़ बजे के करीब चिल्लाने की आवाज सुनकर हम उठे। तब तक लुटेरे भाग चुके थे। लुटेरों ने घर की बिजली का मेन स्विच बंद कर दिया था। ताई को संभाला। ताई दर्द से चिल्ला रही थी। इसके बाद मकान चेक किया तो कमरे में बक्से में रखे गहने गायब थे। ऐसा लगता है कि पहले लुटेरों ने पूरे घर को खंगाल कर सोने-चांदी के गहने ले लिए थे। फिर ताई के कान काटकर गहने ले गए। घटना के बाद गांव वाले जुट गए। टॉर्च लेकर गांव में लुटेरों की तलाश की, लेकिन कोई नहीं मिला।

देर रात तीन बजे ताई को इलाज के लिए पाली के बांगड़ हॉस्पिटल ले गए। कॉल पर रात को ईएनटी डॉक्टर ट्रॉमा वार्ड पहुंचे। उन्होंने दोनों कानों के कटे हुए हिस्सों के बारे में पूछा तो परिजनों ने बताया कि अंधेरे के कारण कान के हिस्से मिल नहीं पाए। घायल जुकादेवी ने बताया कि आरोपियों ने पहले मेरा गला दबाया। फिन कान काट दिए। दो लुटेरे थे। परिवार खेती-बाड़ी करता है। कानों की बालियों के अलावा चांदी का कमरबंद, झुमके, शीर्ष फूल गायब मिले हैं।

गुड़ा एंदला थाने के कपूराराम ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर मंगलवार सुबह घटनास्थल का मौका मुआयना किया। तीन टीमें गठित कर तलाश शुरू की। रिपोर्ट मिलने पर मामला दर्ज किया जाएगा।

कलाकृतियों व चित्रों का अवलोकन

जालोर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने मंगलवार को पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जालोर की दीवारों पर जोधपुर से आए आर्ट कलाकारों द्वारा राजस्थानी लोक संस्कृति, शिक्षा व खेल जगत से जुड़ी बनाई गई कलाकृतियों एवं चित्रों का अवलोकन किया।

अवलोकन के दौरान मुख्य सचेतक ने बनाई गई कलाकृतियों एवं चित्रों को प्रशंसनीय बताते हुए कलाकारों के हुनर की सराहना की। गौरतलब है कि नगर परिषद जालोर द्वारा रेलवे स्टेशन व कॉलेज तिराहे के मध्य सौन्दर्यकरण कार्य करवाया जा रहा हैं।

भारत-पाक सीमा क्षेत्र में पकड़ा संदिग्ध व्यक्ति

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले के भारत-पाक सीमा क्षेत्र नाचना में एक संदिग्ध व्यक्ति पकड़ा गया। संदिग्ध व्यक्ति से पुलिस पूछताछ जारी है।

संदिग्ध व्यक्ति की उम्र लगभग 40 वर्ष लग रही है जो अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध क्षेत्र के पास घूम रहा था.पुलिस द्वारा संदिग्ध व्यक्ति सेकड़ाई से पूछताछ शुरू की गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पकड़ा गया व्यक्ति अपनेदो नामबता रहा है रवि किशन व शाही प्रताप, संदिग्ध को चिकित्सकीय जांच के लिए नाचना चिकित्सा केंद्र लेकर गए और उसकी आवश्यक स्वास्थ्य जांच करवाई। उसके पास चार आधार कार्ड अलग अलग नामके व चारों अलग अलग राज्य के है। संदिग्ध व्यक्ति ने 13 मार्च को फलोदी जिले के बाप से एक नोकिया का फोन खरीदा है । स्थानीय लोगों से पुलिस को सूचना मिलने पर पुलिस ने संदिग्ध को पकड़ा।

कार्यकर्ताओं को जोराराम कुमावत ने लगाई गुलाल

भारतीय जनता पार्टी सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र का होली स्नेह मिलन कार्यक्रम किसान केसरी गार्डन में आयोजित हुआ। फोटो-राष्ट्रदूत

पाली, (नि.सं.)। भारतीय जनता पार्टी सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र पाली होली स्नेह मिलन कार्यक्रम आज किसान केसरी गार्डन मे आयोजित हुआ।

सुमेरपुर विधायक केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की जन कल्याण कारी योजनाओं को आमजन तक पहुंच सभी सम्मानित कार्यकर्तागण व जनप्रतिनिधिगण व पदाधिकारीगण मिलकर प्रयास करें। सभी को होली की बधाई व शुभकामनाएं दी और एक दूसरे पर गुलाल लगाई। गोदावास गांव से आए गेरोयों ने नृत्य किया। जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, प्रधान मोहनी देवी पटेल, प्रताप सिंह बिंठीया, पुनमसिह परमार, पुखराज पटेल, नारायण कुमावत, भंवर चौधरी, नवल किशोर शर्मा, शिव प्रकाश प्रजापत सहित कई जने उपस्थित रहे।

कुमावत ने उद्घाटन किया

पाली, (नि.सं.)। पशुपालन व कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने आज मंगलवार को शहर के सरस डेयरी पार्लर कलेक्ट्रेट परिसर बूथ पर थीक शेक व सोफ्टी आइसक्रीम मशीन का उद्घाटन किया। साथ ही इस अवसर पाली डेयरी संघ द्वारा सॉफ्टी व थीक शेक के लोगो का विमोचन किया।

मंत्री कुमावत ने कहा कि पाली जिला डेयरी संघ ने पाली शहरवासियों के लिए आईस्क्रीम व थीक शेक की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नगर पालिका, उपखण्ड एवं पंचायत समिति स्तर पर सरस डेयरी बूथ स्थापित करने का प्रयास कर रहे है। डेयरी संघ जिलाध्यक्ष प्रतापसिंह बिठिया ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि डेयरी प्रबंधन में शुद्धता व उत्पादक की गुणवत्ता के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित समस्त जनप्रतिनिधि व गणमान्य नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस दौरान विधायक भीमराज भाटी, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख, पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, जिला कलक्टर एलएन मंत्री, पुलिस अधीक्षक चुनाराम जाट, एडीएम सीलींग अविश्न पंवार, डेयरी एमडी मदनलाल, तहसीलदार जितेन्द्र बबेरवाल, बूथ संचालक रणजीतसिंह, सुनील भंडारी, तिलोकराम चौधरी सहित कई जने मौजूद रहे।

विहिप की बैठक आयोजित

रेवदर, (निसं)। मंगलवार को विश्व हिंदू परिषद रेवदर प्रखंड की बैठक राम कुटिया रेवदर में आयोजित हुई।

बैठक में जिला मंत्री अशोक रावल का मार्गदर्शन मिला। आने वाले कार्यक्रम के निमित्त रामोत्सव के लक्ष्य दिए। पूरे प्रखंड का रेवदर उपखंड क्षेत्र पर रामनवमी शोभायात्रा कार्यक्रम करना तय किया। मई में वीएचपी, मातृशक्ति,बजरंग दल एवं दुर्गा वाहिनी के वर्गों में अधिकतम संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे, उसके भी संख्यात्मक लक्ष्य निर्धारित किए गए।

बैठक में जिला सहमंत्री नरेंद्र बंजारा, प्रांत समरसता कार्यकारिणी सदस्य सागरमल सोनी, प्रांत गौ रक्षा विभाग कार्यकारिणी सदस्य रणछोड, जिला सहसंयोजक कमलेश गोस्वामी, प्रखंड अध्यक्ष केसर सिंह,उपाध्यक्ष गेलाराम, मंत्री विनोद सेन, सह मंत्री भावेश खंडेलवाल, संयोजक कुलदीप जोशी, सह संयोजक दिनेश चौधरी, सह संयोजक राज्यवर्धन सिंह, धर्माचार्य प्रमुख अरविंद पुरोहित,सत्संग प्रमुख ललित जोशी, प्रचार प्रसार प्रमुख उकारम देवासी, अनादरा खंड मंत्री गोवा राम चौधरी, देवाराम कोली, गेमराराम कोली वाडका,परेश सुथार, महेंद्र वैष्णव दांतराई, अर्जुन चौधरी, हरदाराम कोली थल, महेंद्र चौधरी, दिलीप प्रजापत धवली,नरेश प्रजापत, रणजीत चौहान करोंटी, नारायण लोहार देरोल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भक्त प्रहलाद चौक में गैरियो ने जमाया रंग

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के भक्त प्रहलाद चौक बडी पोल के बाहर गैर महोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को गैरियों ने उत्कृष्ट गैर नृत्य की प्रस्तुति देकर हर किसी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बुधवार को बिजली गॉव के गैरिये व स्थानीय गैर दल द्वारा प्रसुति दी जायेगी।

भक्त प्रहलाद सेवा समिति के अध्यक्ष अम्बालाल माली ने बताया कि सोमवार देर रात्रि बडी पोल के बाहर भक्त प्रहलाद चौक में मुलेवा गांव के गैर दल ने षानदार प्रसुति दां साथ ही मदन प्रजापत समदडी ने शानदार मारवाडी लेहेजे में नृत्य किया।

गैरियों ने देर रात तक समा बांधा। वहां बैठे महिला पुरूषो ने तालिया बजाकर कलाकारों का हौसला अपजाई किया। इस मौके पर राजस्थान सरकार मुख्य सचेतक व केबिनेट मंत्री जोगेश्वर गर्ग भी मौजूद रहे। साथ में प्रकाश छाजेड ,ओबाराम देवासी, समिति के अध्यक्ष अम्बालाल माली सहित सभी सदस्य मौजूद रह।

गैर महोत्सव के दूसरे दिन भैरूनाथ अखाडै के सानिध्य में दूसरे दिन भक्त प्रहलाद चौक में हडमतगढ के गैरियो ने शानदार प्रस्तुति दी। साथ ही स्थानीय गैर दलो ने भी प्रस्तुति दी। हांस्य कलाकार मदन प्रजापत ने सेठजी का रोल करके लोगों का मन मोह लिया। साथ ही नृत्य प्रिया बालोतरा ने भी मारवाडी गाना पर षानदर नृत्य किया। वहां बैठे महिला व पुरूषों ने तालियां बजाकर सभी गैर दलों व नृतकों का अभिवादन किया।

बुधवार को ख्याति प्राप्त बिजली गॉव की गैर अपने दल के साथ भक्त प्रहलाद चौक में अपनी प्रस्तुति देंगे। साथ ही मदन प्रजापत प्रिया बालोतरा , मोनिका सोनी भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

इस मौके पर अध्यक्ष अम्बालाल माली ,सादुलाराम घांची, लक्ष्मण सिंह मेवाडा , राकेश सोलंकी, मोहनलाल, चतराराम घांची, राजु घांची, देवाराम घांची, प्रहलादाराम, लच्छीराम कच्छवाह, मोहनलाल कच्छवाह, जितेन्द्र प्रजापत, भोमाराम ,मांगीलाल माली, हिरालाल घांची ,जोगाराम घांची, नेनाराम माली, कालुराम सोलंकी, मंच का संचालान नरपत आर्य, भोमाराम प्रजापत ने किया

प्रबोधक संघ ने ज्ञापन दिया

प्रबोधक संघ जालोर ने मांगों को लेकर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग को ज्ञापन सौंपा। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। अखिल राजस्थान प्रबोधक संघ जिला शाखा जालोर ने मंगलवार को मुख्य सचेतक (मंत्री) जोगेश्वर गर्ग का कुम्भ यात्रा कर जालोर पहुंचने पर एवं होली के पावन पर्व के स्नेह मिलन कार्यक्रम के तहत साफा एवं माला से बहुमान किया गया।

इस दौरान स्वागत समारोह के बाद प्रबोधकों की विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया।

ज्ञापन देत समय ब्लॉक अध्यक्ष पारसमल गर्ग एवं पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष भंवरू खान पठान एवं दिनेश परमार छैलसिंह, भाटी, भीखाराम, जैरुपाराम देवासी, हरसन देवासी, बरकत खान मेहर, रताराम परमार, रतनलाल, देवाराम चौधरी आदि कई प्रबोधक मौजूद रहे।

नि:शक्तजन अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें : अहसान अहमद

जालोर के पास जुजांणी में नि:शक्तजन सहायतार्थ शिविर का जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद ने अवलोकन किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (कासं)। सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग, भगवान महावीर विकलांग समिति एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जालोर, जिला विकलांग कल्याण समिति, हेल्पिंग नेचर फांउडेशन जुंजाणी के तत्वावधान में अंबाजी मैदान जुंजाणी में निशक्तजनों की सहायतार्थ चार दिवसीय शिविर का मंगलवार को शुभारंभ किया गया।

शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश अहसान अहमद मौजूद रहे। जबकि अतिथि के रूप में नायब तहसीलदार मानाराम पुरोहित, बीसीएमओ दिनेश जांभाणी, सीडीपीओ लता आचार्य , परियोजना अधिकारी भंवर कंवर, पंचायत समिति हिमताराम सैन, कैलाश पुरोहित, पूर्व सरपंच भीमसिंह, डॉ नारायण चौधरी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद ने कहा कि निशक्तजनों को अपने अधिकारों के प्रति हमेशा सजग रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से दिव्यांगजनों के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं संचालित की जा रही है, इन योजनाओं का फायदा लेने के लिए आगे आए। इस दौरान उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पीडित प्रतिकर स्कीम, निशुल्क विधिक सहायता योजना सहित निशक्तजनों के लिए चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित करते हुए निशक्तजनों को अपने अधिकारों के लिए जागरूक रहने की बात कहीं। वक्ताओं ने शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के शिविर समय समय पर आयोजित किए जाने चाहिए। संस्थान के अध्यक्ष डॉ ओखाराम बोस ने बताया कि निशक्तजनों की सहायता के लिए यह शिविर 21 मार्च तक आयोजित किया जाएगा। शिविर के दौरान निशक्तजनों को निशुल्क जयपुर फुट, केलिपर, कृत्रिम हाथ, तिपहिया साइकिल, व्हील चेयर, बैशाखी एवं कान की मशीन उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि शिविर में आने वाले निशक्तजन अपने साथ यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड, निशक्तजन प्रमाण पत्र व अपने दो पीपी साइज के फोटो साथ में लेकर पहुंचे।

इस दौरान राजेशभाई सोनी, हिरालाल, छगन चौधरी सहित कई लोग मौजूद रहे।

दहेज हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की

जालोर, (कासं)। जालोर के निकट भंवरानी में दहेज हत्या के आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने तथा दहेज का नोसरा पुलिस थाना अभी तक मामला दर्ज नहीं करने पर पीड़ित परिवार ने मंगलवार को एसपी ज्ञानचंद यादव के समक्ष पेश होकर न्याय की गुहार लगाई। वहीं एसपी ने पीड़ित परिवार को भरोसा दिलाया कि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

जालोर के लालपोल निवासी लक्ष्मी पत्नी गणेशाराम मीणा ने ज्ञापन को रिपोर्ट पेश कर बताया कि नोसरा पुलिस थाना में रिपोर्ट प्रस्तुत की 13 मार्च को मेरे जेठ की पुत्री पूजा पुत्री मोहनलाल मीणा की शादी करीब बारह वर्ष पूर्व भीखाराम पुत्र मोहन लाल मीणा निवासी भंवरानी के साथ तथा शिल्पा पुत्री मोहनलाल मीणा की शादी जेठ के पुत्र भीमाराम पुत्र मोहनलाल के साथ आटा-साटा में हुई थी। मेरे जेठ व जेठानी पूर्व में ही देहान्त होने से मैने व मेरे पति ने मेरे जेठूती की शादी करवाई थी। 13 मार्च को शिल्पा ने अपने मोबाइल से पूजा की मुझसे बात करवाई थी। इसके बाद शाम करीब साढे पांच बजे शिल्पा व अन्य का मेरे मोबाइल पर फोन आया कि पूजा की तबीयत ज्यादा खराब होने से उसे आहोर अस्पताल लेकर गये हैं तथा घटना सूना सुनकर मैं, मेरे पति गणेशराम, जेठ चुन्नीलाल, छेलाराम, भरत, दूदाराम, बगाराम, गजाराम सहित अन्य लोग समाज के लोग पूजा को मिलने के लिए रवाना हुए। तभी सूचना मिली कि पूजा को वापस भंवरानी लेकर आये हैं तो हम सभी साढे सात बजे भंवरानी पहुंचे। भंवरानी गांव में प्रवेश लेते हुए ग्राम पंचायत के पास शमाशान भूमि में पूजा के ससुराल वाले व अन्य लोग खड़े थे तथा श्मशान के गेट का ताला अंदर से लगा हुआ था। तब हमने गाड़ी रोककर दीवार फांदकर अंदर गये तो हमने पूजा की लाश को पहचाना। वहां पर भरत, मोहनलाल, ओटी, भीखाराम, शिल्पा, मूलाराम व भरत की पत्नी व अन्य लोग ने हमें नजदीक जाने से रोकने का प्रयास किया। तथा सबूत मिटाने के उद्देश्य से भरत ने पूजा की लाश को जला दिया। उक्त घटना की रिपोर्ट पुलिस थाना नोसरा में दी, लेकिन नोसरा पुलिस थाना द्वारा मुलजिमान के दबाव में उक्त मामले को रफा-दफा करने के उद्देश्य से मामला तक दर्ज नहीं किया। मेरी जेठूती जब भी हमारे घर आती तब बताती कि दहेज कम लाने व कोई संतान नहीं होने से सुसराल वाले आये दिन मारपीट करते हैं। मुलजिमानों ने दहेज के लालच में उसे मार कर सबूत मिटाने के उद्देश्य से शव को भी जला दिया। नोसरा पुलिस थाना द्वारा अभी तक मामला दर्ज नहीं करने तथा मुलजिमानों को गिरफ्तार नहीं करने पर एसपी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के बाद एसपी ने दोषियों के विरुद्ध कडी कार्रवाई करने का आश्वासन परिजनों को दिलाया।

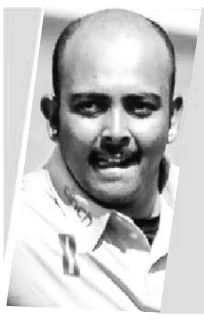

पृथ्वी शॉ को कम आंका गया है। अगर वह अपनी पुरानी चीजों पर काम करे, वह सब कुछ हासिल कर सकता है। मैं उसको तब से जानता हूं जब वह 13 साल का था।
- शशांक सिह

पंजाब किंग्स के क्रिकेटर, पृथ्वी शॉ के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हार्दिक पांड्या

मुंबई इंडियंस की टीम अपना पहला मैच 23 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेलेगी। जिसमें हार्दिक पांड्या नजर नहीं आएंगे। हार्दिक पांड्या पर आईपीएल के एक मैच का बैन लगा हुआ है। इसी वजह से वह आईपीएल 2025 का पहला मैच नहीं खेल पाएंगे। यही कारण है कि वह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में न तो मुंबई इंडियंस के कप्तान होंगे और न ही प्लेइंग इलेवन का हिस्सा होंगे। स्लो ओवर रेट की वजह से हार्दिक पांड्या पर एक मैच का बैन लगा हुआ है। आईपीएल 2024 में हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस के कप्तान थे।

क्या आप जानते हैं ?... क्लबों और देश को मिलाकर 267 गोल करने वाले सुनील छेत्री वर्षों से भारतीय फ़ुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

न्यूज़ीलैंड ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराया

डनेडिन (न्यूजीलैंड), 18 मार्च। गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद टिम साइफर्ट (45) और फिन ऐलन (38) की शानदार आतिशी पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने मंगलवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 11गेंदे शेष रहते पांच विकेट से हरा दिया। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज में न्यूजीलैंड ने 2-0 से बढ़त बना ली है। पाकिस्तान के 135 रनों के स्कोर के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड टिम साइफर्ट और फिन ऐलन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़।

पांचवें ओवर में मोहम्मद अली ने अर्धशतक की ओर बढ़ रहे टिम साइफर्ट को आउटकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। टिम साइफर्ट ने 22 गेंदों में तीन चौके और पांच छक्के लगाते हुए (45) रनों की पारी खेली। सातवें ओवर में जहानदाद खान ने फिन ऐलन को पगबाधा कर पवेलियन भेज दिया। फिन ऐलन ने 16 गेंदों में एक चौका और पांच छक्के लगाते हुए (38) रन बनाये। इसके बाद खुशदिल शाह ने मार्क चैपमैन (एक) को आउट किया। डैरिल मिचेल (14) और जिमी नीशम (पांच) को हारिस रउफ ने आउट किया। न्यूजीलैंड ने 13.1 ओवर में पांच विकेट पर 137 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया।

न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच तीसरा महिला टी-20 मैच बारिश के कारण हुआ रद्द

डुनेडिन (न्यूजीलैंड) 18 मार्च। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के बीच मंगलवार को तीसरा महिला टी-20 मैच भारी बारिश के कारण बेनतीजा रहा। इसी के साथ दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबरी पर समाप्त हो गई। आज यहां यूनिवर्सिटी ओवल में श्रीलंका की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए सूजी बेट्स और जॉर्जिया प्लिमर की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए आठ ओवर में 60 रन जोड़े। बारिश के कारण मैच दोबारा शुरू नहीं हो सका। इसके बाद मैच को रद्द घोषित कर दिया गया। श्रीलंका की कप्तान चामरी अट्टापटू को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया।

आईओसी ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में मुक्केबाजी को किया शामिल

कोस्टा नवारिनो (यूनान), 18 मार्च। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के कार्यकारी बोर्ड ने लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के खेल कार्यक्रम में मुक्केबाजी को शामिल करने को मंजूरी दे दी है। निवर्तमान आईओसी अध्यक्ष थॉमस बाक ने कोस्टा नवारिनो के रोमानोस रिसॉर्ट में आईओसी कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में इसकी पुष्टि की। बाक ने कार्यकारी बोर्ड की बैठक के बाद कहा, फरवरी में विश्व मुक्केबाजी को अस्थायी मान्यता मिलने के बाद हम यह फैसला लेने की स्थिति में थे। सत्र में इसे मंजूरी के लिये रखा जायेगा और मुझे यकीन है कि इसे मंजूरी मिल जायेगी। इसके बाद दुनिया भर के मुक्केबाज लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेल सकेंगे अगर उनके राष्ट्रीय महासंघ को विश्व मुक्केबाजी से मान्यता मिली हुई है। उल्लेखनीय है कि मुक्केबाजी 1904 से ओलंपिक खेल रहा है, लेकिन शासन, संचालन और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित मुद्दों के कारण आईओसी ने वर्ष 2019 में अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ की मान्यता को निलंबित कर दिया था।

अब खेल अधिकारी कहलाएंगे डीवाईएसपीओ : डॉ. नीरज के. पवन

जयपुर, 18 मार्च। शासन सचिव, युवा मामले एवं खेल विभाग और अध्यक्ष राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद डा. नीरज के. पवन की अध्यक्षता में मंगलवार को सवाई मान स्टेडियम में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की बैठक हुई।बैठक के प्रमुख निर्णयों की जानकारी देते हुए डा. नीरज के. पवन ने बताया कि अब भविष्य में खेल परिषद में खेल अधिकारी डिस्ट्रिक्ट यूथ एंड स्पोर्ट्स प्रमोशन ऑफिसर कहलाएंगे।खेल परिषद में पूर्व में मुख्यालय सहित सभी जिलों में खेल अधिकारी कार्य करते थे लेकिन अब उनके पदनाम में परिवर्तन किया गया है। डा. नीरज के. पवन ने बताया कि ग़ैर सरकारी संस्थाएं जो खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए अच्छा कार्य कर रहे है, उनकों राजस्थान खेल प्रोत्साहन अवार्ड 2025 से पुरस्कृत किया जायेगा।

उन्होने बताया कि 28 जनवरी से 14 फरवरी, 2025 तक उत्तराखंड में आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलों के प्रदेश के पदक विजेता खिलाडियों को भी जल्दी ही सम्मानित किया जायेगा।इसके अलावा राजस्थान खेल अधिनियम-2005 की पालना प्रदेश में लागू स्पोर्टस एक्ट-2005 की अक्षरश: पालना सुनिश्चित करवाने के साथ साथ राज्य खेल संघों के कार्यकलापो आदि पर भी विस्तृत चर्चा की गई।बैठक में डा. नीरज के पवन के अलावा युवा मामले एवं खेल विभाग की उप शासन सचिव अनिता मीणा, राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के सचिव राजेन्द्र सिंह सिसोदिया, खेल परिषद के वित्तीय सलाहकार महावीर मीणा, खेल विभाग की वरिष्ठ लेखाधिकारी नीलम राठौड़ सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे।

65वां केन्द्रीय आवासीय खेल प्रशिक्षण शिविर आबू पर्वत में 21 मई से

जयपुर, 18 मार्च। राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद के तत्वाधान में खेल अधिकारी मानसिंह चौगान स्टेडियम ने बताया (बालक व बालिका) खिलाडियों का हैण्डबॉल, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बाक्सिँग, एथेलेटिक्स एंव तीरंदाजी खेलों में 21 मई से 65वा केन्द्रीय आवासीय खेल प्रशिक्षण शिविर आबू पर्वत में लगाया जा रहा है तथा फुटबॉल, क्रिकेट, जिमनास्टिक, जूटो, हॉकी, कुश्ती, कबडडी, भारोतोलन, खो-खो, साईकिलिंग, बैडमिटन, टेबल टेनिस, वुशू एंव तैराकी खेलों में 19 मई से 8 जून 2025 तक सवाई मानसिंह स्टेडियम जयपुर में लगाया जायेगा। जिसमें आवास, भोजन व रात्रा भता परिषद की तरफ से देय होगा। अत: इच्छुक प्रतिभावन खिलाडी जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र चौगान स्टेडियम से आवेदन फॉर्म प्राप्त कर भरकर दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक कार्यालय चौगान स्टेडियम में ज्जुमा वाले खिलाडी की करायेगे। भारा लेने वाले खिलाडी ही की आयु न्यूनतम 14 वर्ष एव अधिकतम 17 बर्ष होनी चाहिए।

11वीं शमशेर सिंह स्मृति महिला क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुरिया एकेडमी व राजस्थान यूथ टीमें जीती

जयपुर, 18 मार्च। राजस्थान कॉल्ट्स क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 11वीं शमशेर सिंह स्मृति महिला टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में आज खेले गए मैचों में जयपुरिया एकेडमी ने राजस्थान कॉल्ट्स को 6 विकेट से हराया तथा दूसरे मैच में राजस्थान यूथ ने के एल सैनी एकेडमी को 5 विकेट से हराया।

उदघाटन मुकाबले में के एल सैनी स्टेडियम पर राजस्थान कॉल्ट्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सीमा जाट के 21 रन, अनुष्का चौधरी के 15 रन व शिवानी चौधरी के 15 रनों से 18.5 ओवर में 82 रन बनाए। जयपुरिया एकेडमी के लिए रुतबा चौधरी ने 6 पर 4, कनक शर्मा, अर्चना योगी, ऋषिता यादव व याना गुप्ता ने 1-1 विकेट लिए।

जवाबी पारी में जयपुरिया एकेडमी ने याना गुप्ता के 32 रन नाबाद, शिवानी चौधरी के 30 रनों से 14 ओवर में 4 विकेट पर 84 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीत लिया। राजस्थान कॉल्ट्स के लिए अक्षिता माहेश्वरी ने 14 पर 3 विकेट लिए।

दूसरे मैच में के एल सैनी एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए बीटू राजभर के 46 रन, डोलवी शर्मा के 28 रन, नेहा सैनी के 19 रन से 20 ओवर में 4 विकेट पर 127 रन बनाए। राजस्थान यूथ के लिए नेहा शर्मा ने 19 पर 3 विकेट लिए।जवाबी पारी में राजस्थान यूथ ने कृतिका गुलाब के 38 रन, अंशु सैनी के 25 रन मेधावी के नाबाद 23 रन व फ़ोरा गुर्जर के नाबाद 13 रनों से 15.1 ओवर में 5 विकेट पर 130 रन बनाकर मैच जीत लिया। के एल सैनी एकेडमी के लिए नंदिनी कुमावत ने 34 पर 2, सीमा शर्मा ने 27 पर एक विकेट लिया।

मैच पुर्व आर सी ए एडहॉक कमेटी के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया तथा कहा की राजस्थान कॉल्ट्स क्रिकेट क्लब ने स्व. शमशेर सिंह जी की स्मृति में पहली बार महिला क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित करके महिला खिलाड़ियों को एक अवसर प्रदान किया है। इस अवसर पर पूर्व रणजी खिलाड़ी डॉ हेमेंद्र सुराणा, पूर्व रणजी कप्तान मोहम्मद असलम, महिला आई पी एल खिलाड़ी अक्षिता माहेश्वरी, राजस्थान कॉल्ट्स की सचिव प्रियंका सिंह, प्रतियोगिता कन्वीनर ओम शर्मा, रणजीत सैनी, सलेक्टर मेघा गौड, सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

कोडाई की जीत में सारांश गोस्वामी व सात्विक जैन चमके

जयपुर, 18 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27 वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज इन्सपायर क्रिकेट ग्राउण्ड लालकोठी पर खेले गये पूल-बी के मैच में कोडाई क्रिकेट एकेडमी ने सात्विक जैन 64 रन (46 गेंद, 9 चौके) के अद्धर्शतक तथा सारांश गोस्वामी 16 रन (5 गेंद, 1 चौका, 1 छक्का) नाबाद व 35 रन पर 3 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन की मदद से आर.एस. क्रिकेट एकेडमी को 10 रन से हराकर लगातार 2 अंक अर्जित किये तथा पूल में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। सुबह कोडाई एकेडमी ने टोस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये जतिन सैनी 25 रन व सात्विक जैन 64 रन ने मिलकर 5.2 ओवर में 44 रन जोड़कर अच्छी शुरूआत की मध्यक्रम में हर्षवर्धन मित्तल 23 रन, सरांश गोस्वामी 16 रन नाबाद, हर्षित गौर 14 रन तथा अतिरिक्त 22 रनों के सहयोग से निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 179 रन बनाये गेंदबाजी में आर.एस. एकेडमी की ओर से अब्दुल वहीद 8 रन पर 2 विकेट निखिल शर्मा 23 रन पर 2 विकेट तथा बलाच 41 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। 180 रन के विजय लक्ष्य को लेकर खेलने उतरे आर.एस. एकेडमी ने कृष्ण कुमार यादव 40 रन निखिल शर्मा 33 रन, कौशल मीणा 41 रन, नमन शर्मा 14 रन, अनुराग शर्मा 17 रन की पारीयों के बावजूद निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 169 रन ही बना सकी और नजदीकी मुकाबले में 10 रन से मैच गवा दिया, प्रतियोगिता का अगला मैच दिनांक 21.03. 2025 वार शुक्रवार को खेला जायेगा। मैन ऑफ दा मैच सारांश गोस्वामी (16 रन नाबाद व 35 रन पर 3 विकेट) कोडाई क्रिकेट एकेडमी रहे।

मोदी ने विशेष ओलंपिक पदक विजेता एथलीटों से की मुलाकात

नई दिल्ली 18 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय एथलीटों से संसद भवन में मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मुझे अपने एथलीटों पर बहुत गर्व है जिन्होंने इटली के ट्यूरिन में आयोजित विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में 33 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने संसद में भारतीय एथलीट दल से मुलाकात की और उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई दी। विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों के पदक विजेता एथलीटों से मुलाकात करने की फोटो साझा करते हुए उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की है। उल्लेखनीय है कि इटली के ट्यूरिन हुए विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों में भारतीय दल ने आठ स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य सहित कुल 33 पदक जीते है।

मालदीव से छुट्टियां मनाकर लौटे, एयरपोर्ट पर गुस्से में दिखे टीम इंडिया के कप्तान

मुंबई, 18 मार्च। टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा आईपीएल 2025 से पहले मालदीव से छुट्टियां मनाकर स्वदेश लौट आए हैं। रोहित चैंपियंस ट्रॉफी में खिताबी जीत के बाद ब्रेक पर गए थे और परिवार के साथ छुट्टियां मना रहे थे। आईपीएल के आगामी सत्र की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है और रोहित मुबंई इंडियंस टीम का हिस्सा हैं। रोहित आईपीएल शुरू होने से पहले स्वदेश लौटे, लेकिन एयरपोर्ट पर परिवार की फोटो लेने पर भड़क गए।दाएं हाथ के अनुभवी बल्लेबाज रोहित आईपीएल 225 में खेलते नजर आएंगे।

चोटिल मेसी विश्वकप क्वालीफायर से हुए बाहर

ब्यूनस आयर्स, 18 मार्च। अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी मांसपेशियों में खिंचाव के कारण आगामी फीफा विश्वकप क्वालीफायर मैचों से बाहर हो गए हैं। क्वालीफायर के लिए घोषित 25 सदस्यीय टीम में मेसी को शामिल नहीं किया गया है। 37 वर्षीय मेसी अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी द्वारा जीते गये मुकाबले में रविवार को चोटिल हो गये थे। इंटर मियामी ने मेसी की मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि की है। क्लब ने कहा है कि मेसी ने अटलांटा यूनाइटेड के खिलाफ मैच में दर्द की शिकायत के बाद उनका एमआरआई स्कैन कराया। जांच में मांसपेशियों में खिंचाव की पुष्टि हुई है।

फ्लाइट से उतर कर सीधे स्टेडियम पहुंचे राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन

जयपुर, 18 मार्च। आईपीएल 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। राजस्थान रॉयल्स की टीम अपना पहला मैच 23 मार्च को हैदराबाद में खेलेगी। टीम ट्रेनिंग शुरू कर चुकी हैं। कप्तान संजू सैमसन सोमवार से पहले तक कैंप का हिस्सा थे। सोमवार शाम जैसे ही वह जयपुर पहुंचे बिना आराम किए, बिना कपड़े बदले और बिना होटल में चेकइन किए वह मैदान पर पहुंच गए।

राजस्थान रॉयल्स ने बताया कि संजू सैमसन कैसे महज एक घंटे के अंदर वह एयरपोर्ट से ट्रेनिंग करने पहुंचे। संजू सैमसन शाम 6.20 बजे पर एयरपोर्ट पर उतरे। फिर साढे 6 बजे वह एयरपोर्ट से बाहर निकले। संजू यहां से गाड़ी मं बैठे और शाम सात बजकर चार मिनट पर सवाई मानसिंह स्टेडियम पहुंच गए। उन्होंने पहले कुछ खिलाड़ियों से मुलाकात की और फिर अपने कपड़े बदले। वह ट्रेनिंग किट में नजर आए। शाम साढ़े सात बजे वह मैदान पर थे और टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ से गले लगे। द्रविड़ व्हीलचेयर पर थे। इस तहह सैमसन एयरपोर्ट से सीधा स्टेडियम में पहुंच गए।पिछले महीने संजू ने अंगुली की सर्जरी कराई थी।

वह बैंगलुरु के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब से गुजर रहे थे और अभी ये पुष्टि नहीं हो पाई है कि वह अभी विकेटकीपिंग करेंगे या नहीं। अगर सैमसन फिट नहीं होते हैं तो ध्रुव जुरेल को विकेटकीपिंग का विलक्प चुना जा सकता है। फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में भी जुरेल ने सैमसन की जगह विकेटकीपिंग की थी। बल्लेबाजी करते समय जोफ्रा आर्चर की गेंद पर संजू सैमसन की अंगुली में चोट लग गई थी।

टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा के बीच संतुलन : विक्रम

जयपुर, 18 मार्च। राजस्थान रॉयल्स ने आज बैटिंग कोच विक्रम राठौर और स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने आगामी सीजन के लिए टीम की तैयारियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। राठौर ने बल्लेबाजी संयोजनों के बारे में बात की, जिसमें टीम में अनुभव और युवा प्रतिभा के बीच संतुलन पर जोर दिया गया। उन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में अनुकूलनशीलता के महत्व पर प्रकाश डाला। बहुतुले ने गेंदबाजी आक्रमण पर अपडेट दिया, जिसमें टीम की गहराई का उल्लेख किया गया और बताया गया कि कैसे विभिन्न गेंदबाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे, खासकर उपमहाद्वीप की परिस्थितियों में।

खेलों इंडिया पैरा गेम्स हमें और अधिक प्रतिस्पर्धी बना रहे हैं : हरविंदर सिंह

नई दिल्ली, 18 मार्च। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी) 2025 के गुरुवार को शुरु होने वाले दूसरे संस्करण मे पैरालिंपिक 2024 के स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज हरविंदर सिंह का मानना है यह प्रतिस्पर्धा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के लिए अपनी प्रतिभा दिखाने का एक प्रमुख मंच है।

हरविंदर ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स के फॉर्मेट और चयन प्रक्रिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पूरे भारत में सभी पैरा एथलीटों के प्रदर्शन को बढ़ावा देता है। तीरंदाज हरविंदर ने साई मीडिया से कहा, राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 16 एथलीटों का चयन खेलो इंडिया पैरा गेम्स के लिए किया जाता है। यह सभी एथलीटों को राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने के लिए प्रेरित करता है। यदि कोई एथलीट पदक जीतने में असमर्थ होता है, तो वह केआईपीजी में प्रतिस्पर्धा के लिए पात्र होने के लिए शीर्ष 16 में स्थान पाने की पूरी कोशिश करता है।

इस तरह की प्रतिस्पर्धा एथलीटों को अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है। यह केआईपीजी 2025 का दूसरा संस्करण है, इसलिए भारत में पैरा खेलों को बढ़ते देखना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि इस स्तर का टूर्नामेंट आयोजित किया जा रहा है। पिछली बार जब मैंने केआईपीजी में प्रतिस्पर्धा की थी, तो ऐसा लगा कि हम किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन में हैं। सेट-अप, शेड्यूल और व्यवस्थाएँ उच्चतम गुणवत्ता की थीं। तब से, मुझे पता था कि भारत किसी भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी करने में सक्षम है। इस बार, मैं इसी तरह के पैमाने की उम्मीद कर रहा हूँ और मैं मैदान पर लौटने के लिए उत्सुक हूँ।

आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड 'अभिमान' समारोह 25 को

जयपुर, 18 मार्च। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी ने आज आरसीए एडहॉक कमेटी मीटिंग में कमेटी के सभी सदस्यों की उपस्तिथि में आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाडी अवार्ड राज्य के पूर्व लीजेंड खिलाडियों के नाम से दिए जाने व आगामी 25 मार्च को आरसीए अवार्ड समारोह आयोजित किये जाने की घोषणा की।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य विमल शर्मा के अनुसार आज शाम आरसीए अकादमी पर आयोजित एडहॉक कमेटी मीटिंग में सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से बीसीसीआई घरेलू क्रिकेट सत्र 2024-25 में राजस्थान की विभिन्न आयु वर्गकी राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राजस्थान का नाम रोशन करने वाले खिलाडियों को सम्मानित करने, आरसीए के पूर्व लीजेंड खिलाडियों के योगदान को याद रखते हुए आरसीए अवार्ड की हर आयु वर्ग के सर्वश्रेष्ठ खिलाडीअवार्ड को उनके नाम पर देने, राष्ट्रिय स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर देश का प्रतिनिधित्व करने वाले युवा खिलाडियों हेतु सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंगप्लेयर अवार्ड देने सहित राज्य क्रिकेट के संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले सर्वगीय वरिष्ठ खेल प्रशासकों को मरणोपरांत लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार देने पर सहमति प्रदान करते हुए आरसीए अवार्ड समारोह के आयोजन की तिथि घोषित की।

आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी, सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर, विमल शर्मा, रतन सिंह, धर्मवीर सिंह व हरीशचंद्र सिंह ने आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अवार्ड समारोह के पोस्टर का विमोचन करते हुए आरसीए अवार्ड "अभिमान" नाम से दिए जाने की घोषणा की। बियाणी के अनुसार एडहॉक कमेटी सदस्य जल्द ही राज्य के लोकप्रिय मुख्यमंत्री आदरणीय भजन लाल शर्मा जी से मुलाकात कर उन्हें आरसीए अवार्ड समारोह के मुख्य अतिथि बनाने व उनकी गरिमामय उपस्तिथि से राज्य के युवा प्रतिभावान खिलाडियों को सम्मानित करने व उनका होंसला बढ़ाने का आग्रह करेंगे। जयदीप बिहाणी ने बताया की एडहॉक कमेटी द्वारा आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाडीअवार्ड राजस्थान के पूर्व लीजेंड खिलाडियों के नाम से दिए जायेंगे।

विभिन्न आयुवर्ग के पुरुष-महिला अवार्ड सीनियर (पुरुष-महिला खिलाडी) हनुमंत सिंह अवार्ड, अंडर 23 (पुरुष-महिला खिलाडी) सलीम दुर्रानी अवार्ड, अंडर 19 (पुरुष - महिला खिलाडी) किशन रूंगटा अवार्ड, अंडर 16 पुरुष - अंडर 15 महिला खिलाडी) लक्ष्मण सिंह अवार्ड, सर्वश्रेष्ठ इमर्जिंग प्लेयर पार्थ सारथी शर्मा अवार्ड।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धनञ्जय सिंह खींवसर के अनुसार एडहॉक कमेटी द्वारा आरसीए द्वारा राज्य के पूर्व प्रशासकों को उनके राज्य क्रिकेट में दिए गए अहम् योगदान को याद करते हुए उनके सम्मानितकरते हुए उन्हें मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड देने की घोषणा की।

आरसीए द्वारा निम्न पूर्व खेल प्रशासकों को मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिए जायेंगे :- स्वर्गीय कमल मोरारका, स्वर्गीय अशोक ओहरी, स्वर्गीय राजेंद्र सिंह राठौड़, स्वर्गीय राकेश अग्रवाल। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत के अनुसार आरसीए सर्वश्रेष्ठ खिलाडीअवार्ड समारोह राज्य के खेल मंत्री (कैबिनेट) कर्नल राजवर्धनसिंह राठौड़, गौतम कुमार दक, सहकारिता, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), राज्य सभा सांसद व बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर की गरिमामय उपस्तिथि मेंआगामी दिनांक 25 मार्च को होटल मेरियट में आयोजित किये जायेगा।

धर्मवीर के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी राज्य में क्रिकेट के विकास व संचालन की जो जिम्मेदारी आदरणीय राजवर्धन सिंह ने दी थी उसे कमेटी ने पूर्ण निष्ठा व् कर्तव्य से पूर्ण करते हुए राज्य में हर आयुवर्ग के प्रतियोगिताओं के आयोजन, राष्ट्रिय प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन सहित खेल के हर विभाग व खेल से जुड़े पूर्व व वर्तमान खिलाडियों , मैच ऑफिशल्स के हितों को ध्यान में रखते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य रतन सिंह शेखावत के अनुसार राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन दवारा सत्र 2024-25 मे शानदार प्रदर्शन करने वाले सर्वश्रेष्ठ खिलाडियों के आरसीए अवार्ड प्रक्रिया व समारोह हेतु 3 सदस्य कमेटी का गठन किया गया था जिसके सदस्य रतन सिंह शेखावत, विमल शर्मा व हरीश चंद्र सिंह हैं। कमेटी ने आरसीए अवार्ड के विभिन्न वर्गों हेतु खेल प्रशासकों, पूर्व खिलाडियों सहित खेल से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े विभिन्न क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्तियों से प्राप्त सुझावों पर गहन चर्चा करने के बाद राज्य की क्रिकेट में अपना अहम् योगदान देने वाले राज्य के पूर्व लीजेंड खिलाडियों के नाम से आरसीए अवार्ड देने व पूर्व दिवंगत प्रशासकों को मरणोपरांत सम्मानित करने का सुझाव देते हुए अपनी रिपोर्ट आरसीए एडहॉक कमेटी को सौंप दी थी। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य हरीश चंद्र सिंह के अनुसार आगामी 25 मार्च को आयोजित होने वाले आरसीए अवार्ड समारोह हेतु गठित कमेटी ने अवार्ड समारोह को भव्य व यादगार बनाने हेतु सभी तैयारियां लगभग पूर्णकर ली हैं जिसके लिए आरसीए से जसूए सभी अनुभवी ऑफिशल्स व स्टाफ को विभन्न जिम्मेदारियां दी गयी है। हरीश जी की अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी आरसीए राज्य सरकार के सभी मंत्रियों, गणमान्य प्रशासकों को आरसीए अवार्ड समारोह में आमंत्रित करेगी।

गुजरात टाइटंस को मिला नया मालिक, बीसीसीआई की मंजूरी के बाद हुई बड़ी डील

नई दिल्ली, 18 मार्च। आईपीएल 2025 की शुरुआत होने वाली है और ये इसका 18वां सीजन होगा। इसका खुमार अभी से फैंस के सिर चढ़ कर बोल रहा है। 22 मार्च को लीग का पहला मुकाबला केकेआर और आरसीबी के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाएगा। इसकी शुरुआत से पहले ही आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। दरअसल, एनर्जी सेक्टर की दिग्गज कंपनी द्वारा टीम में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की खबर है। एनर्जी सेक्टर से लेकर हेल्थ सर्विसेज समेत कई क्षेत्रों में काम करने वाले टोरेंट ग्रुप ने घोषणा करते हुए कहा है कि उसने इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस में 67 प्रतिशत की बहुमत हिस्सेदारी का अधिग्रहण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है, इस डील के बाद कुछ मंजूरियां मिलने के बाद टोरेंट गुजरात टाइटंस में ये स्टेक इरेलिया कंपनी से हासिल कर लेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई की मंजूरी मिलने के बाद ये डील हुई है।

वहीं टोरेंट और इरेलिया ने बीते महीने 12 फरवरी को इस संबंध में हुए करार पर साइन किए थे और अब आईपीएल 2025 की शुरुआत से ऐन पहले ये डील डन हो गई है। तमाम शर्तों के पूरा होने के बाद टोरेंट ग्रुप ने आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस का अधिग्रहण अब सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। ऐसी उम्मीद जताई जा रही है कि इस फ्रेंचाइजी को मैनेज करने में टोरेंट की व्यापक स्पेशिएलिटी लाभ मिलेगा।

कबड्डी विश्व कप : भारत ने इटली को 64-22 से हराया

बर्मिंघम 18 मार्च। गत चैंपियन भारतीय पुरुष टीम ने कबड्डी विश्वकप 2025 में इटली को हराकर अपनी जीत के साथ अभियान की शुरुआत की। वॉल्वरहैम्प्टन में सोमवार को एकतरफा मुकाबले में भारत ने ग्रुप बी के मैच में इटली को 64-22 से करारी मात दी। इस जीत के साथ भारत दो अंकों के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। ग्रुप बी के दूसरे मुकाबले में स्कॉटलैंड ने वेल्स को 63-43 से हराया और ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम अगले मैच में स्कॉटलैंड से भिड़ेगी। भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमें इंग्लैंड में शुरू हुए कबड्डी विश्व कप 2025 में अपने खिताब को बरकरार रखना चाहेंगी।ओलंपिक डॉट कॉम के अनुसार यह टूर्नामेंट ब्रिटेन में वेस्ट मिडलैंड्स के चार शहरों बर्मिंघम, कोवेंट्री, वॉल्सॉल और वॉल्वरहैम्प्टन में आयोजित किये जाएंगे।

मु.मंत्री ने भ्रष्टाचार के 5 मामलों में 7 अफसरों पर केस चलाने को मंजूरी दी

मु.मंत्री भजनलाल ने भ्रष्टाचार के 13 प्रकरणों का निस्तारण किया

जयपुर, 18 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही एवं अभियोजन स्वीकृति के लम्बे समय से विचाराधीन 13 प्रकरणों का निस्तारण किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने एक

- **मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त शासन देने को प्रतिबद्ध है।**

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा

प्रकरण में सेवानिवृत्त अधिकारी की पेंशन रोकने तथा 3 प्रकरणों में सेवारत अधिकारियों के विरूद्ध राजस्थान सिविल सर्विसेज (क्लासिफिकेशन, कंट्रोल एण्ड अपील) रुल्स, 1958 के नियम 16 के अंतर्गत वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने का निर्णय किया। साथ ही, उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम-2018 के अंतर्गत प्रस्तुत 5 प्रकरणों में 7 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन को भी स्वीकृति भी प्रदान की।

शर्मा ने सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध संचालित 3 प्रकरणों में दोष सिद्धि के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन किया। वहीं एक अधिकारी को सी.सी.ए. नियम 23 में परिनिन्दा के दंड से बरी किया।

'नवीं फेल बेटे को बिहार का राजा बनाना चाहते हैं लालू'

पटना, 18 मार्च। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उनके बेटे ने 9वीं भी पास नहीं की है लेकिन उन्हें इस बात की चिंता है कि उनका पुत्र बिहार का राजा बन जाये।

किशोर ने मंगलवार को लालू का उदाहरण देते हुए जनता से कहा कि उन्हें लालू से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता क्या होती है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि लालू का बेटा 9वीं पास भी नहीं है, फिर भी

- **प्रशांत किशोर ने लालू यादव पर कटाक्ष कर जनता से कहा लालू से सीखना चाहिए बच्चों की चिंता क्या होती है।**

उन्हें इस बात की चिंता है कि उनका बेटा बिहार का राजा बन जाए। उन्होंने कहा कि मैं लालू की शिकायत नहीं कर रहा हूं, उनकी तारीफ कर रहा हूं कि लालू बहुत अच्छे पिता हैं। उन्होंने कहा, दूसरी तरफ बिहार के आम लोग हैं जिनके बच्चों ने बीए-एमए कर लिया है, फिर भी उन्हें नौकरी नहीं मिली है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि आम लोगों को इसकी चिंता नहीं है। अभी भी बिहार के लोग जाति और धर्म में उलझे हुए हैं।

'एकता की ताकत का विराट प्रदर्शन था महाकुंभ'

प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ पर दिए वक्तव्य में महाकुंभ की सफलता के लिए देशवासियों का आभार जताया

नयी दिल्ली, 18 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रयागराज में गंगा, यमुना एवं अदृश्य सरस्वती के त्रिवेणी संगम में हुए महाकुंभ को भारत के विराट स्वरूप का दर्शन बताया है और कहा है कि यह पूरे विश्व में बिखराव की स्थितियों के दौर में एकता की ताकत का विराट प्रदर्शन था जिसे हमें निरंतर मजबूत करना है।

मोदी ने लोकसभा में महाकुंभ पर मंगलवार को वक्तव्य दिया और इसके सफल आयोजन के लिए उसमें शामिल सभी लोगों का आभार ज्ञापन किया। उन्होंने कहा, आज मैं इस सदन के माध्यम से कोटि-कोटि देशवासियों को नमन करता हूं, जिनकी वजह से महाकुंभ का सफल आयोजन हुआ। महाकुंभ की सफलता में अनेक लोगों का योगदान है। मैं सरकार के, समाज के, सभी कर्मयोगियों का अभिनंदन करता हूं। मैं देशभर के श्रद्धालुओं को, उत्तर प्रदेश की जनता विशेष तौर पर प्रयागराज की जनता का धन्यवाद करता हूं।

मोदी ने कहा कि महाकुंभ में हमने हमारी राष्ट्रीय चेतना के जागरण के विराट दर्शन किए हैं। यह जो राष्ट्रीय चेतना है, यह जो राष्ट्र को नए संकल्पों की तरफ ले जाती है, यह नए संकल्पों की सिद्धि के लिए प्रेरित करती है।

- **प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले वर्ष अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम सभी ने यह महसूस किया था कि कैसे देश अगले 1000 वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद महाकुंभ के इस आयोजन ने हम सभी के इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की यह सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है।**

महाकुंभ ने उन शंकाओं-आशंकाओं को भी उचित जवाब दिया है, जो हमारे सामर्थ्य को लेकर कुछ लोगों के मन में रहती है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अयोध्या के राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हम सभी ने यह महसूस किया था कि कैसे देश अगले 1000 वर्षों के लिए तैयार हो रहा है। इसके ठीक एक साल बाद महाकुंभ के इस आयोजन ने हम सभी के इस विचार को और दृढ़ किया है। देश की यह सामूहिक चेतना देश का सामर्थ्य बताती है।

प्रधानमंत्री ने कहा, हमने करीब डेढ़ महीने तक भारत में महाकुंभ का उत्साह देखा, उमंग को अनुभव किया। कैसे सुविधा-असुविधा की चिंता से ऊपर उठते हुए, कोटि-कोटि श्रद्धालु, श्रद्धा-भाव से जुटे यह हमारी बहुत बड़ी ताकत है। लेकिन यह उमंग, यह उत्साह सिर्फ यही तक सीमित नहीं था। बीते हफ्ते मैं मॉरीशस में था, मैं त्रिवेणी से, प्रयागराज से महाकुंभ के समय का पावन जल लेकर गया था। जब उस पवित्र जल को मॉरीशस के गंगा तालाब में अर्पित किया गया, तो वहां जो श्रद्धा का, आस्था का, उत्सव का, माहौल था, वह देखते ही बनता था। यह दिखाता है कि आज हमारी परंपरा, हमारी संस्कृति, हमारे संस्कारों को आत्मसात करने की, उनका उत्सव मनाने की भावना कितनी प्रबल हो रही है।

उन्होंने कहा, मैं ये भी देख रहा हूं कि पीढ़ी दर पीढ़ी हमारे संस्कारों के आगे बढ़ ने का जो क्रम है, वह भी कितनी सहजता से आगे बढ़ रहा है। आप देखिए, जो हमारी मॉडर्न युवा पीढ़ ी है, ये कितने श्रद्धा-भाव से महाकुंभ से जुड़े रहे, दूसरे उत्सवों से जुड़े रहे हैं। आज भारत का युवा अपनी परंपरा, अपनी आस्था, अपनी श्रद्धा को गर्व के साथ अपना रहा है।

'आधार कार्ड ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के मुद्दे पर निर्णय लिया गया।

इस बैठक के दौरान यह तथ्य सामने आया कि सुप्रीम कोर्ट कई आदेश और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951, की धारा 23 और संविधान के अनुछेद 326 के अनुसार भारत के चुनाव में भारतीय नागरिक ही मतदान कर सकता है। बैठक में यह भी कहा गया कि आधार कार्ड ही एक भारतीय नागरिक का पहचान पत्र है। इसलिए आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र से जोड़ा जाना अनिवार्य है।

जारी प्रेस नोट के अनुसार भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और भारतीय निर्वाचन आयोग की तकनीकी विशेषज्ञों के बीच परामर्श जारी है और जल्दी ही दोनों पहचान पत्रों को जोड़ने / लिंक करने की कार्यवाही शुरू होगी।

एसआई भर्ती ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिखित परीक्षा की दोनों पारियों के दौरान "ब्लूटूथ डिवाइस" के माध्यम से पेपर पढ़ाया, जिसके कारण मोनिका ने उक्त परीक्षा के हिन्दी विषय में 200 में से 184 अंक पाये और सामान्य ज्ञान विषय में 200 में से 161 अंक प्राप्त किये। एसओजी के अनुसार मोनिका और पौरव कालेर के बीच परीक्षा पास करने के लिये 15 लाख रुपये में सौदा तय हुआ था।

प्रेस नोट के अनुसार मोनिका को उप निरीक्षक पुलिस भर्ती परीक्षा-2021 की मैरिट लिस्ट में 34वां पद मिला था। हैरानी की बात है कि उनके लिखित परीक्षा में पाये गये अंकों के विपरीत मोनिका को साक्षात्कार में मात्र 15 अंक मिले थे, जिस वजह से उन पर शक गहराता गया।

यूक्रेन व रूस...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओडेसा" बंदरगाह को भी रूस को सौंपने के लिए ट्रम्प मान गए हैं। यह यूक्रेन के लिए मौत की सज़ा की तरह है, क्योंकि इसी बंदरगाह से यूक्रेन का अधिकतम आयात-निर्यात होता है।

ऐसा लगता है कि ट्रम्प पर पुतिन का जादू पूरी तरह ये चल गया है। पुतिन को खुश करने में वे कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इन घटनाक्रमों के संदर्भ में पश्चिमी यूरोपिय देश एक साथ बैठकर चर्चा कर रहे है कि यूक्रेन की मदद करने के लिए और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वे क्या कर सकते हैं। इन देशों में खासकर पोलैंड, लाटविया, फिनलैंड व कई अन्य छोटे देश हैं, जो रूस से खतरा महसूस कर रहे है।

कुछ खबरों के अनुसार, अमेरिका, पश्चिमी यूरोपियन देशों को दी हुई नाटो सुरक्षा गारंटी वापस ले सकता है। अगर ऐसा होता है तो ये देश रूस के निशाने पर आ जाएंगे, क्योंकि अमेरिका की सहायता के बिना ये अपनी सुरक्षा नहीं कर सकते हैं।

ट्रम्प और पुतिन की वार्ता के बीच यूरोपियन यूनियन भी ब्रसेल्स में मीटिंग कर कुछ रणनीतियों पर काम कर रही है। हालांकि, उनके पास सुरक्षा सामर्थ्य नहीं है।

ट्रम्प के समझौते से यूक्रेन में सत्ता परिवर्तन भी हो सकता है।

8 व 9 अप्रैल को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तरीके से चलाते रहेंगे तथा पार्टी पर उनका नियंत्रण बना रहेगा।

एक अन्य नेता की टिप्पणी थी कि रायपुर एआईसीसी अधिवेशन में लिया गया कोई भी निर्णय क्रियान्वित नहीं हुआ, तथा इससे पहले, उदयपुर में लिये गये निर्णयों का भी यही हश्र हुआ था। तो फिर, इस अधिवेशन से भी क्या फर्क पड़ेगा।

राहुल ने अब प्रस्तावित किया कि जिला कांग्रेस कमेटियाँ ताकतवर होनी चाहिये, उनकी आवाज सुनी जानी चाहिये तथा उन्हें सत्ता के ढ़ाँचे का हिस्सा बनाया जाना चाहिये।

इसलिये, 27 एवं 28 मार्च तथा 3 अप्रैल को मीटिंग बुलाई गई हैं, जिनमें सारे देश की जिला कांग्रेस कमेटियों को चर्चा के लिये बुलाया गया है।

अगर अतीत को संकेत माना जाये, तो देखना यह होगा कि यह विचार तथा प्रस्ताव किस हद तक क्रियान्वित होता है। पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता उन तौर-तरीकों से हताश हो चुके हैं, जिनसे पार्टी चलाई जा रही है, तथा उनका मनोबल दिन-पर -दिन कम होता जा रहा है।

दिन भर हंगामे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिये स्थगित कर दी।

इससे पहले, राहुल गांधी ने बेरोजगारी के मुद्दे पर सरकार की कटु आलोचना की तथा कहा, "जो युवा महाकुम्भ में गये थे, वे प्रधानमंत्री से रोजगार भी चाहते हैं।

उन्हें सदन में रोजगार के बारे में बोलना चाहिये था।"

इस बात को दृढ़तापूर्वक कहते हुये कि प्रधानमंत्री के बाद, नेता प्रतिपक्ष को बोलने की अनुमति दी जानी चाहिये थी, उन्होंने कहा, "मुझे नहीं बोलने दिया गया। यह "नया भारत" है।"

इन्हीं विचारों और भावनाओं को शब्द देते हुये, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, "नेता प्रतिपक्ष को बोलने देना चाहिये था। महाकुम्भ के विषय में विपक्ष की भी भावनाएं है और इसमें (सरकार को) कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिये।"

'भारत ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोयाबीन पर जवाबी टैरिफ लगा दिया है ताकि अमेरिकन बिज़नैस मैन व किसानों को ट्रम्प के खिलाफ जाने के लिए दबाव में लिया जा सके। इसी के साथ, वह विदेशी कम्पनियों को देश भारी छूट व राहत देने की पेशकश भी कर रहा है। टैक्स में छूट और सब्सिडी, नियमों में ढील आदि। इस प्रकार वह ग्लोबल सप्लाई चेन के केन्द्र के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। चीन ईरान और ब्रिक्स देशों के साथ भी संबंध मजबूत कर रहा है और पश्चिमी प्रभुत्व को दरकिनार करने के लिए वैकल्पिक फ्रेमवर्क बना रहा है।

घरेलू उपभोग बढ़ाना और निर्माण को बढ़ावा देना बहुत महत्वपूर्ण है। ट्रेड पार्टनरशिप में विविधता, फ्री ट्रेड एग्रीमैंट्स में तेजी, खासकर उभरते हुए बाज़ारों में, भारत को, अमेरिका के संरक्षणवाद का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। भारत को रूपए में व्यापार को प्रोत्साहन देना चाहिए। इससे डॉलर पर निर्भरता घटेगी।

इसके अलावा प्रमुख क्षेत्रों जैसे सेमीकंडक्टर्स, एआई और इलैक्ट्रिक वीकल में तकनीकी आत्मनिर्भरता लाने को प्राथमिकता दी जाए। भारत को उन कम्पनियों को आकर्षित करना चाहिए जो चीन का विकल्प ढूंढ रही हैं।

ईडी ने राबड़ी देवी से चार घंटे पूछताछ की, अब लालू की बारी है

पहली बार लालू के पुत्र तेज प्रताप यादव से भी ईडी ने पूछताछ की

पटना, 18 मार्च। जमीन के बदले नौकरी घोटाले मामले में बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और उनके पुत्र व पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को लंबी पूछताछ की।

राबड़ी देवी से करीब चार घंटे जबकि तेज प्रताप यादव से पांच घंटे तक ईडी की पूछताछ चली। इस मामले में 19 मार्च को पूर्व रेल मंत्री और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद से भी पूछताछ संभव है।

प्रवर्तन निदेशालय ने कुछ दिनों पहले ही राबड़ी देवी और तेज प्रताप यादव को जमीन के बदले नौकरी प्रकरण में पूछताछ के लिए समन जारी किया था।

तेज प्रताप यादव को ईडी की ओर से पहली बार पूछताछ के लिए बुलाया

- **तेज प्रताप यादव से 5 घंटे तक पूछताछ की गई।**
- **लालू यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अपनी सांसद पुत्री मीसा भारती के साथ ईडी कार्यालय पहुँचीं।**

गया था। समन के आधार पर पहले राबड़ी देवी अपनी सांसद पुत्री डॉ. मीसा भारती के साथ गांधी मैदान स्थित प्रवर्तन निदेशालय के कार्यालय पहुंची।

तेज प्रताप इसके करीब एक घंटे के बाद पूछताछ के लिए ईडी दफ्तर पहुंचे। दोनों को अलग-अलग कमरों में बिठा कर पूछताछ की गई।

प्रवर्तन निदेशालय ने राबड़ी देवी से यह जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किया कि उन्होंने नौकरी के बदले जमीन अपने नाम कैसे कराई।

जिन लोगों को नौकरी देकर जमीन प्राप्त की गई उन्हें राबड़ी देवी या उनका परिवार कैसे जानता था। क्या संबंधित लोगों से लालू परिवार के लोग पूर्व परिचित थे।

राबड़ी देवी से यह भी पूछा गया कि पहली बार उन्होंने जमीन देने वालों से कब मुलाकात की। संबंधित लोगों को नौकरी देने के लिए उन्होंने क्या रेल मंत्री और अपने पति लालू प्रसाद से कोई पैरवी की थी।

सूत्रों के अनुसार ईडी की टीम ने राबड़ी देवी से तेजस्वी यादव के दिल्ली स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी के बंगले, पटना के सगुना मोड़ स्थित अपार्टमेंट की जमीन और उसके निर्माण के साथ ही निर्माण में लगी राशि के स्त्रोत के बारे में भी सवाल किए गए।

सूत्र बताते हैं कि राबड़ी देवी ने अधिकांश सवालों को उन्हें जानकारी नहीं कहकर टाल दिया। दूसरी ओर तेज प्रताप से भी ईडी अधिकारियों ने केस के संबंध में कई सवाल पूछे और जानने की कोशिश की कि उन्हें जमीन के बदले नौकरी घोटाले के बारे में पहली बार कब जानकारी मिली।

उनके पिता और अन्य रिश्तेदारों की मिलीभगत के बारे में भी सवाल पूछे गए।

पूछताछ के बाद दोनों जब ईडी दफ्तर से बाहर आए तो इन्होंने मीडिया के किसी भी सवाल का जवाब नहीं दिया।

'हरेक बूथ के मतदान आकड़ों का खुलासा करने पर विचार करें'

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया

नयी दिल्ली, 18 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह बूथवार मतदान के आंकड़े और वहां डाले गए मतों की संख्या से संबंधित फॉर्म 17 सी जारी करने के याचिकाकर्ताओं के अनुरोध पर विचार करे। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने इस संबंध में याचिकाकर्ता गैर सरकारी संगठन (एनजीओ), एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स फॉर कॉमन कॉज तथा अन्य को चुनाव आयोग से 10 दिनों में संपर्क करने की अनुमति दी।

चुनाव आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने पीठ के समक्ष कहा कि याचिकाकर्ता के प्रतिनिधि नये मुख्य चुनाव आयुक्त से मिल सकते हैं। इस मुद्दे पर विचार किया जाएगा।

एनजीओ की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) की गणना के अनुसार मतों की संख्या और वास्तविक मतदान के बीच विसंगतियां हैं। उन्होंने पूछा कि क्या नागरिकों को यह बुनियादी आंकड़ा जानने का अधिकार नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने कहा कि चुनाव आयोग को अंतिम सूची में विसंगति के बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। पीठ ने कहा, याचिकाकर्ताओं ने जो सवाल उठाया है, वह एक बड़ा मुद्दा है।

- **एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स और कॉमन कॉज व अन्य, जिन्होंने इस मामले पर याचिकाएं दायर की हैं, से कहा है कि 10 दिन में चुनाव आयोग से संपर्क करें।**
- **चुनाव आयोग ने मई, 2024 में अपने हलफनामे में शीर्ष अदालत को बताया था कि वेबसाइट पर फॉर्म 17सी (प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं द्वारा डाले गए मतों का लेखा-जोखा) अपलोड करने से गड़बड़ी हो सकती है। आयोग ने कहा कि इससे 'काफी असुविधा और अविश्वास' पैदा हो सकता है।**

चुनाव आयोग ने मई, 2024 में अपने हलफनामे में शीर्ष अदालत को बताया था कि वेबसाइट पर फॉर्म 17सी (प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं द्वारा डाले गए मतों का लेखा-जोखा) अपलोड करने से गड़बड़ी हो सकती है। आयोग ने कहा कि इससे 'काफी असुविधा और अविश्वास' पैदा हो सकता है।

आयोग ने यह भी दावा किया कि अंतिम मतदाता मतदान आंकड़े में 5 से 6 फीसदी की वृद्धि के संबंध में लगाए गए आरोप 'भ्रामक और निराधार' थे। उसने यह भी कहा कि फॉर्म 17सी के संपूर्ण खुलासे से पूरे चुनावी क्षेत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

हलफनामे में कहा गया है, 'फिलहाल, मूल फॉर्म 17सी केवल स्ट्रांग रूम में उपलब्ध है और इसकी एक प्रति केवल मतदान एजेंटों के पास है (जिनके हस्ताक्षर उस पर हैं।), इसलिए प्रत्येक फॉर्म 17सी और उसके धारक के बीच सीधा संबंध है।

आयोग ने अपने हलफनामे में कहा है कि उम्मीदवार या उसके प्रतिनिधि के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फॉर्म 17सी प्रदान करने का कोई कानूनी आदेश नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट के जज मणिपुर जाएंगे

नयी दिल्ली, 18 मार्च। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नाल्सा) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति बी आर गवई के नेतृत्व में उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों का एक समूह मणिपुर 22 मार्च को मणिपुर में राहत शिविरों का दौरा करेगा।

न्यायाधीशों के समूह में न्यायमूर्ति सूर्य कांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश, न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन, न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह शामिल हैं। यह समूह उच्च न्यायालय के द्विवार्षिक समारोह के अवसर पर वहां जा रहा है।

शीर्ष अदालत एक अधिकारी के अनुसार 03 मई-2023 की विनाशकारी सांप्रदायिक हिंसा के लगभग दो साल बाद कई लोग मणिपुर में राहत शिविरों में शरण लेने को मजबूर हैं। इस हिंसा के कारण सैकड़ों लोगों की जान चली गई और 50,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए।

अधिकारी ने कहा, उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों का यह दौरा इन प्रभावित समुदायों को कानूनी और मानवीय सहायता की निरंतर आवश्यकता को उजागर करता है।

इस दौरे के दौरान न्यायमूर्ति गवई मणिपुर के सभी जिलों में विधिक सेवा शिविरों और चिकित्सा शिविरों का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वह इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और उखरुल जिलों में नए विधिक सहायता क्लीनिकों का भी उद्घाटन करेंगे।

मणिपुर में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) को आवश्यक राहत सामग्री वितरित की जाएगी। विधिक सेवा शिविर आईडीपी को सरकारी कल्याण कार्यक्रमों से जोड़ेंगे, जिससे स्वास्थ्य सेवा, पेंशन, रोजगार योजनाओं और पहचान दस्तावेज पुनर्निर्माण जैसे महत्वपूर्ण लाभों तक उनकी पहुँच सुनिश्चित होगी।

24 दलितों की हत्या के मामले में 44 साल बाद मिली फांसी की सजा

आरोपी तीनों डकैत फांसी की सजा सुनकर रोने लगे

मैनपुरी, 18 मार्च। दिहुली गांव में 1982 में हुए नरसंहार में 24 दलितों की हत्या के मामले में 44 साल बाद पीड़ित परिवारों को न्याय मिला है। मंगलवार को स्पेशल डकैती कोर्ट की एडीजे इंद्रा सिंह ने तीन दोषियों कप्तान सिंह, रामसेवक और रामपाल को फांसी की सजा सुनाई है। साथ ही, तीनों पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। इस सजा को सुनते ही तीनों दोषी रोने लगे। दूसरी तरफ पीड़ित परिवारों ने कहा है कि देर से ही सही, लेकिन कोर्ट ने सही फैसला सुनाया है। एक आरोपी फरार है, जबकि इस केस के 13 आरोपियों की मौत हो चुकी है।

यह मामला मुखबिरी और गवाही से जुड़ा था, जिसमें डकैतों ने बदले की भावना से दलितों के गांव पर हमला बोल दिया था। बताया जाता है, 18 नवंबर 1981 को डकैत राधेश्याम उर्फ राधे और संतोष उर्फ संतोषा के गिरोह ने दिहुली गांव में 24 दलितों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतकों में महिलाएं, पुरुष और बच्चे भी शामिल थे। इस घटना के बाद पूरे देश में हड़कंप मच गया था और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी समेत कई बड़े नेता पीड़ित परिवारों से मिलने दिहुली गांव पहुंचे थे। इस मामले में कुल 17 लोगों को आरोपी बनाया गया था, जिनमें से 13 की मौत हो चुकी है और एक आरोपी फरार है।

शुरुआत में यह मामला फिरोज़ाबाद जिले के थाना जसराना में दर्ज हुआ था, लेकिन बाद में मैनपुरी जिला बनने पर केस को यहां स्थानांतरित कर दिया गया। 44 साल तक चली सुनवाई के बाद मंगलवार को अदालत ने तीनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है।

- **पीड़ितों ने कहा देर से ही सही पर उन्हें न्याय मिला है।**
- **यह मामला 1981 का है जब 18 नवम्बर को डकैतों ने बदले की भावना से 24 दलितो की हत्या कर दी थी। इसमें 17 लोग गिरफ्तार हुए थे 13 की मौत हो चुकी है, एक फरार है व तीन को फांसी की सजा मिली है।**

फैसला सुनते ही तीनों दोषी रो पड़े। एक दोषी कप्तान सिंह ने खुद को बेकसूर बताते हुए कहा कि उसे झूठा फंसाया गया है। पीड़ित परिवारों ने फैसले पर संतोष जताते हुए कहा कि उन्हें 44 साल बाद ही सही, न्याय मिला है। नरसंहार में अपने बाबा, पिता और चाचा को खोने वाले ज्ञान सिंह ने बताया कि जब वह इस घटना के बारे में सुनते हैं तो उनके आंसू रुकते नहीं हैं। वहीं, मीना देवी ने कहा कि फैसला आने में देरी हुई है और अब तो उनके आंसू भी सूख चुके हैं।

मोदी ने विशेष ओलंपिक पदक विजेता एथलीटों से मुलाकात की

नयी दिल्ली, 18 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में पदक जीतने वाले भारतीय एथलीटों से संसद भवन में मुलाकात कर उन्हें बधाई दी।

मोदी ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मुझे अपने एथलीटों पर बहुत गर्व है जिन्होंने इटली के ट्यूरिन में आयोजित विशेष ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेलों में 33 पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है।

उन्होंने संसद में भारतीय एथलीट दल से मुलाकात की और उनकी उपलब्धियों के लिए उन्हें बधाई दी। विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों के पदक विजेता एथलीटों से मुलाकात करने की फोटो साझा करते हुए उनके शानदार प्रदर्शन की सराहना की है।

उल्लेखनीय है कि इटली के ट्यूरिन हुए विशेष ओलंपिक शीतकालीन खेलों में भारतीय दल ने आठ स्वर्ण, 18 रजत और सात कांस्य सहित कुल 33 पदक जीते है।

पांच वर्षीय बालिका से दुष्कर्म व हत्या के दोषी को फांसी

भोपाल, 18 मार्च। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल की एक अदालत ने लगभग छह माह पूर्व पांच वर्षीय एक बालिका की दुष्कर्म के बाद हत्या के दोषी को आज फांसी की सजा सुनायी। इसके साथ ही न्यायालय ने दोषी की मां और बहन को दोषी पाए जाने पर दो-दो वर्ष के सश्रम कारावास से दंडित किया। विशेष न्यायाधीश कुमुदिनी पटेल ने अभियुक्त अतुल निहाले को दोषी पाए जाने पर फांसी की सजा से दंडित किया। इसके साथ ही आरोपी की मां और बहन को साक्ष्य छिपाने का दोषी पाए जाने पर दो-दो वर्ष के कारावास और एक-एक सौ रुपए के अर्थदंड से दंडित किया। अभियोजन के अनुसार 24 सितंबर 2024 को पीडिता की मां भोपाल के थाना शाहजहानाबाद में अपनी पांच वर्ष की अबोध बच्ची के गुम हो जाने की सूचना दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को बताया कि उसकी पुत्री 24 सितंबर की दोपहर लगभग 12 बजे अपनी दादी के साथ बडे पापा के फ्लैट में गई थी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908